घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 175- सोमवार 27 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

टीएमसी का घमंड टूटा,भाजपा की जीत तय : पीएम मोदी

ममता सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं,छोटे-छोटे नेता खुद को सरकार समझते हैं...

कोलकाता,26 अप्रैल 2026। पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बनगांव की रैली में कहा कि पहले फेज के मतदान में टीएमसी का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में छोटे-छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं। पीएम ने कहा, '15 साल पहले टीएमसी 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर ये लोग ये शब्द बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है।'

अब और नहीं सहेंगे कहने का समय आ गया है

पीएम ने कहा- बंगाल की महिलाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस बात से दिखती है कि हमने संदेशखाली पीड़िता और आरजी कर डॉक्टर की मां को चुनावी टिकट दिया है। टीएमसी की निर्मम सरकार बंगाल की महिलाओं पर अत्याचार करने वाले गुंडों के साथ खड़ी रहती है। अब समय आ गया है कि बंगाल की जनता कहे- अब और नहीं सहेंगे। पीएम ने कहा- 4 मई के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार बनने पर महिलाओं के साथ रेप और अत्याचार करने वाले अपराधियों को कानून के कठघरे में लाया जाएगा।

पीएम बोले...बंगाल में अब सिर्फ एक ही नारा है 'पलटानो दरकार'

पीएम ने कहा- 15 साल पहले हुगली नदी के आसपास का इलाका कभी मिलों और फैक्ट्रियों का बड़ा केंद्र हुआ करता था, लेकिन आज वहां ताले लगे होने की खबरें आती हैं। ब्रिटिश दौर की फैक्ट्रियां भी बंद हो रही हैं। पीएम ने कहा- आज सिर्फ एक ही फैक्ट्री और एक ही दुकान चल रही है- सिंडिकेट की कट-मनी और कमीशनखोरी की दुकान। ऐसी सरकार को जाना ही होगा, ऐसी सरकार को हटाना ही होगा। इसीलिए बंगाल में अब सिर्फ एक ही नारा और एक ही फैसला है- 'पलटानो दरकार' (बदलाव जरूरी है)।'

पीएम बोले...दीदी ने बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर किया

पीएम मोदी ने बंगाल के ठाकुरनगर के बनगांव में जनसभा के दौरान कहा कि टीएमसी के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है। दीदी ने बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर किया है। टीएमसी के महाजंगलराज में छोटे से छोटा नेता और छोटे से छोटा गुंडा भी खुद को सरकार समझता है। पीएम ने कहा- 24 परगना और हुगली के बीच का ये इलाका कभी मिलों और फैक्ट्रियों का इलाका हुआ करता था। लेकिन अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे कारखाने भी बंद हो रहे हैं। बनगांव से बैरकपुर तक अनेक फैक्ट्री 15 साल में बंद हुई हैं।

मन की बात का 133 वां एपिसोड...
मोदी बोले...जनगणना दुनिया का सबसे बड़ा अभियान अब तक 1 करोड़ 20 लाख घरों की लिस्टिंग हुई

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2026। पीएम मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में जनगणना का जिक्र किया। पीएम ने कहा- हमारे देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है। ये है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है। पीएम ने कहा- जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां घरों की लिस्टिंग का काम जारी है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों के मकान की लिस्टिंग का काम पूरा भी हो चुका है।

जनगणना में आपकी भागीदारी आसान बनाई गई है : मोदी

आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं। जब आप प्रक्रिया पूरी करते हैं, तो आपको एक विशेष आईडी मिलती है। ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है। बाद में जब कर्मचारी आपके घर आता है, तो आप यही आईडी दिखाकर जानकारी की पुष्टि कर सकते हैं। इससे दोबारा जानकारी देने की जरूरत नहीं पड़ती।

बुद्ध का संदेश आज भी अहम : मोदी

आज भी मई महीने की शुरुआत एक पावन अवसर के साथ होने जा रही है। कुछ ही दिनों में हम बुद्ध पूर्णिमा मनाएंगे। मैं आप सभी देशवासियों को अपनी अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। भगवान गौतम बुद्ध का जीवन संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने हमें सिखाया है कि शांति हमारे भीतर से शुरु होती है, उन्होंने बताया है कि स्वयं पर विजय सबसे बड़ी विजय होती है।

विंड एनर्जी में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा : मोदी

आज पवन-शक्ति भारत के विकास की नई कहानी लिख रही है। भारत ने हाल ही में पवन-ऊर्जा यानि विंड एनर्जी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब भारत का विंड एनर्जी जनरेशन कैपेसिटी 56 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है। पिछले एक साल में ही करीब 6 गीगावॉट नई क्षमता जुड़ी है। विंड एनर्जी में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भी हमारी तरफ देख रही है। गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान देश के अनेक राज्य इस सेक्टर में अपना परचम लहरा रहे हैं। गुजरात के कच्छ, पाटन, बनासकांठा जैसे क्षेत्र जहां पहले सिर्फ रेगिस्तान नजर आता था। आज वहां बड़े रिन्यूएबल एनर्जी पार्क बन रहे हैं। इसका लाभ युवाओं को मिल रहा है, नए अवसर बन रहे हैं, नई स्किल्स विकसित हो रही हैं, रोजगार के नए रास्ते खुल रहे हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हादसा...
टेकऑफ के दौरान स्विस एयर विमान के इंजन में आग,छह यात्री घायल

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2026। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर स्विस एयर की फ्लाइट एलएक्स 147 के टेकऑफ के दौरान उसके इंजन में अचानक खराबी आ गई और आग लग गई। इस घटना में कम से कम 6 यात्रियों के घायल होने की खबर है। हालांकि, पायलट और ग्राउंड स्टाफ की तत्परता के चलते एक बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। सूत्रों के अनुसार, स्विस एयर का यह विमान दिल्ली से अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरने ही वाला था। जैसे ही विमान रनवे पर गति पकड़ रहा था, तभी उसके एक इंजन से असामान्य आवाज आने लगी और देखते ही देखते उसमें आग की लपटें दिखाई देने लगीं। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पायलट ने तुरंत टेकऑफ रोक दिया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी। इसके बाद एयरपोर्ट पर मौजूद दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाएं तुरंत हरकत में आ गईं। कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया और विमान को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। इस दौरान विमान में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान 6 यात्री हल्के रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, विमान में 232 यात्री सवार थे। वह दिल्ली से ज्यूरिख जा रहा था। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, विमान में सवार सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। घटना के बाद कुछ समय के लिए रनवे संचालन प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य कर दी गई। इस घटना के बाद विमानन कंपनी और संबंधित एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में इंजन में तकनीकी खराबी को आग लगने का कारण माना जा रहा है।

वाशिंगटन के हिल्टन होटल में राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यक्रम में फायरिंग,हमलावर गिरफ्तार

वाशिंगटन,26 अप्रैल 2026। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी स्थित हिल्टन होटल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यक्रम के दौरान अचानक फायरिंग हुई। यह घटना रात लगभग पौने नौ बजे की है। गोलियों की आवाज गूंजते ही राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के जवान तुरंत हरकत में आए और उन्होंने मोर्चा संभालते हुए राष्ट्रपति ट्रंप को सुरक्षित घेरे में लेकर आयोजन स्थल से बाहर निकाला। इस सनसनीखेज घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से रूबरू होकर पूरी जानकारी साझा की। राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुलासा किया कि हमलावर की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया के टॉरेंस का निवासी है। पुलिस ने एलन के पास से कई खतरनाक हथियार बरामद किए हैं, जिनमें एक शॉटगन और एक हैंडगन शामिल है। ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस की मुस्तैदी की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षाकर्मियों के कारण ही हमलावर मुख्य बॉलरूम के भीतर बड़ी तबाही मचाने में नाकाम रहा। राष्ट्रपति के अनुसार, संदिग्ध मंच से काफी दूर था, लेकिन वह बेहद तेजी से उनकी ओर बढ़ रहा था। इस घटना के बहाने ट्रंप ने सुरक्षा मानकों और नई इमारतों के निर्माण पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, हिल्टन का यह बॉलरूम कोई खास सुरक्षित बिल्डिंग नहीं है। यही कारण है कि हम व्हाइट हाउस में जिस नई योजना पर काम कर रहे हैं, उसमें ड्रोन प्रूफ तकनीक और बुलेटप्रूफ ग्लास जैसी खूबियां शामिल हैं। गौरतलब है कि ट्रंप की इस सुरक्षा योजना पर वहां की अदालत ने पहले रोक लगा दी थी।

सरकार बनने के बाद खत्म कर देंगे टीएमसी के सभी सिंडिकेट : अमित शाह

कोलकाता,26 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल के तेहट्ट में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बंगाल की जनता ने 'दीदी का सूपड़ा साफ' कर दिया है और भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिल चुकी है।

भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी

शाह ने कहा कि पहले चरण में जिन 152 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें से 110 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि दूसरे चरण में बाकी काम पूरा कर भाजपा पश्चिम बंगाल में सरकार बनाएगी। बंगाल की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है और टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर करने का फैसला कर चुकी है। महिलाओं और युवाओं को लेकर उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो मई महीने से राज्य की हर महिला के बैंक खाते में 3,000 रुपए भेजे जाएंगे। इसके साथ ही राज्य के बेरोजगार युवाओं के खातों में भी 3,000 रुपए प्रति माह जमा कराए जाएंगे। शाह ने यह भी घोषणा की कि हर गर्भवती महिला को बच्चे की देखभाल और पोषण के लिए 21,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

ममता पर किसानों की अनदेखी का आरोप : केंद्रीय गृह मंत्री ने ममता बनर्जी सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लहसुन किसानों के साथ राज्य सरकार ने धोखा किया है। देश के अन्य हिस्सों में लहसुन 200 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, लेकिन बांग्लादेश के रास्ते आ रहे नकली चीनी लहसुन की वजह से बंगाल के किसानों को अपनी उपज सिर्फ 12 रुपए प्रति किलो के भाव पर बेचनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर चीनी लहसुन की एंट्री बंद की जाएगी और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया जाएगा। अमित शाह ने तेहट्ट की स्थानीय समस्याओं को भी उठाया और कहा कि जलंगी नदी पर पुल बनाने का काम अब तक पूरा नहीं हो सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इस परियोजना को लंबे समय से अधूरा छोड़ रखा है। शाह ने वादा किया कि भाजपा सरकार बनने के बाद दो साल के भीतर जलंगी नदी पर पुल निर्माण का काम पूरा कर दिया जाएगा। जनसभा के दौरान अमित शाह ने टीएमसी पर 'सिंडिकेट राज' चलाने का आरोप लगाया और कहा कि 5 तारीख को भाजपा की सरकार बनते ही राज्य में टीएमसी के सभी सिंडिकेट खत्म कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कानून-व्यवस्था को मजबूत करेगी और टीएमसी के गुंडों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा सुप्रीम कोर्ट पहुंचे
गुवाहाटी हाई कोर्ट से नहीं मिली थी राहत

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2026। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मानहानि और जालसाजी के मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गुवाहाटी हाई कोर्ट ने 24 अप्रैल को खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जो गुवाहाटी में असम पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले में थी। मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश का आरोप लगाने वाला यह मामला खेड़ा के हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किए गए दावों के बाद दर्ज किया गया था कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां के पास कई विदेशी पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

बंगाल में ईडी का बड़ा एक्शन...कोलकाता से बर्दवान तक हड़कंप
गेहूं घोटाले और जमीन कब्जे को लेकर 9 जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच प्रवर्तन निदेशालय (प्रवर्तन निदेशालय) ने रविवार को ताबड़तोड़ छापेमारी कर पूरे प्रशासनिक और राजनीतिक महकमे में हड़कंप मचा दिया है। छुट्टी के दिन शुरू हुई इस कार्रवाई से न केवल कारोबारी जगत बल्कि रसूखदारों की भी नींद उड़ गई है। जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमें एक साथ कोलकाता, बर्दवान और हावड़ा समेत करीब 9 ठिकानों पर पहुंचीं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई करोड़ों के गेहूं घोटाले और फरार आरोपी 'सोना पप्पू' से जुड़े जमीन कब्जाने के मामलों को लेकर की गई है।

सोना पप्पू के ठिकानों पर रेड : कोलकाता के पॉश इलाके आनंदपुर और अलीपुर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब प्रवर्तन निदेशालय की गाड़ियों का काफिला दो बड़े कारोबारियों के घर के बाहर रुका। बताया जा रहा है कि ये दोनों कारोबारी लंबे समय से फरार चल रहे जमीन माफिया सोना पप्पू के संपर्क में थे। रिपोर्टर को मिली जानकारी के अनुसार, सोना पप्पू पर जमीन कब्जाने और अवैध वित्तीय लेन-देन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसी को शक है कि फरार होने के बावजूद उसके काले साम्राज्य का पैसा इन्हीं कारोबारियों के जरिए इधर-उधर किया जा रहा था। टीम ने घर के अंदर मौजूद दस्तावेजों और डिजिटल सबूतों को खंगालना शुरू कर दिया है। जमीन मामले के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी राशन घोटाले की परतें खोलना भी शुरू कर दिया है। बर्दवान और हावड़ा में उन एक्सपोर्टर्स और सप्लायर्स के यहां रेड पड़ी है, जिनका नाम घोजाडांगा लैंड कस्टम्स स्टेशन से जुड़े एक अधिकारी की शिकायत में सामने आया था। जानकारी के अनुसार गरीबों के लिए आने वाले गेहूं को सिस्टम से चोरी कर खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा गया।

जन्मदिन केक को लेकर हुआ विवाद...
गोलीबारी में परिवार के 3 सदस्यों की मौत

बुलंदशहर,26 अप्रैल 2026। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा नगर इलाके में जन्मदिन का जश्न उस समय भयावह हो गया जब चेहरे पर केक लगाने को लेकर हुए मामूली विवाद में 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान अमरदीप सैनी, मनीष सैनी और आकाश सैनी के रूप में हुई है। इस मामले का मुख्य आरोपी जीतू सैनी है और उसका ही जन्मदिन मनाया जा रहा था। घटना के बाद वह अपने अन्य साथियों के साथ फरार हो गया। जन्मदिन की पार्टी, जो पहले एक स्थानीय जिम में और बाद में एक घर के पास आयोजित की गई थी, उस समय बिगड़ गई जब पीड़ितों ने कथित तौर पर जीतू के चेहरे पर केक मल दिया। इस मासूम हरकत के कारण अप्रत्याशित प्रतिक्रिया हुई और तीखी बहस छिड़ गई। पीड़ितों में से एक के भाई संजय सैनी ने बताया कि विवाद के बाद आरोपी चले गए, लेकिन भारी हथियारों के साथ वापस लौट आए। संजय ने बताया कि उन्हें आरोपी का फोन आया, जिसमें उसने कहा, तुम्हारा भाई गाली-गलौज कर रहा है। उन्होंने सुबह बात करने का वादा करके स्थिति को शांत करने की कोशिश की। हालांकि, शांति की गुहार को अनसुना करते हुए, आरोपी कथित तौर पर 7 या 8 लाइसेंसी हथियारों के साथ वापस आया और पहुंचते ही गोलीबारी की घटना शुरू कर दी। अमरदीप, मनीष और आकाश को कई गोलियां लगीं और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अंतरिक्ष जैन ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 6 टीमें गठित की गई हैं। मेरठ रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) कलानिधि नैथानी ने भी देर रात घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा, शिकायतों और लोगों द्वारा बताई गई घटनाओं के आधार पर कुछ युवकों का जिम में किसी बात पर झगड़ा हुआ था। आरोपियों में से एक अपना जन्मदिन मना रहा था और उसकी दौरान यह दुखद घटना घटी। फोरेंसिक टीमों ने विस्तृत विश्लेषण के लिए घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं।

मान सरकार ने हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ली केंद्र ने तैनात किए सीआरपीएफ के जवान

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2026। पंजाब पुलिस ने राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ले ली है। वहीं अब केंद्र सरकार ने उनके आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात कर दिए गए हैं। बता दें कि हरभजन सिंह उन सात सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने राघव चड्ढा के साथ आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। सूत्रों ने बताया कि हरभजन सिंह की सुरक्षा शनिवार को हटा ली गयी, जिसमें 9-10 पुलिसकर्मी शामिल थे। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के जालंधर स्थित छोटी बारादरी इलाके के आवास पर पंजाब पुलिस के सुरक्षाकर्मी तैनात थे। दूसरी तरफ रविवार को हरभजन सिंह के घर के बाहर सीआरपीएफ के जवान तैनात कर दिए गए। शनिवार को आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और राजिंदर गुप्ता के घरों के बाहर प्रदर्शन किया था। ये तीनों नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने लुधियाना और जालंधर में उनके घरों की दीवारों पर स्प्रे पेंट से 'गद्दार' लिख दिया था। आप के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की थी। साथ ही कहा था कि उनके साथ पांच अन्य सांसदों में अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, स्वाति मालीवाल और विक्रमजीत साहनी भी शामिल हैं।

आप छोड़कर बीजेपी में गए सातों राज्यसभा सांसदों की रद्द होगी सदस्यता : संजय सिंह

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2026। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए सात सांसदों राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल के दल-बदल के मुद्दे पर केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रावधानों के तहत इन सभी सांसदों की सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए और इसके लिए उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति को याचिका भेजी गई है।

संपादकीय

ऊर्जा संकट से जूझता विश्व

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच दो सप्ताह से जारी युद्धविराम को जिस तरह यकायक अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया,उससे वे अपने कदम पीछे खींचते हुए दिखे। उन्होंने युद्धविराम विस्तार की घोषणा ऐसे समय की,जब इस्लामाबाद में होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर संशय कायम था। गत दिवस संशय के ये बादल छंटे और दोनों देशों के प्रतिनिधियों के इस्लामाबाद रवाना होने की खबरों से दूसरे दौर की वार्ता की संभावना बढ़ी है।

ईरान ने पहले दौर की वार्ता विफल होने के बाद जिस प्रकार अमेरिका से बात करने से इन्कार किया था,उससे यही लग रहा था कि वह अपने बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी खत्म किए बिना न तो होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए तैयार होगा और न ही वार्ता के लिए। अब यदि वह वार्ता के लिए तैयार है तो शायद इसलिए कि अमेरिकी नाकेबंदी उसके लिए परेशानी का कारण बन रही है। जो भी हो, जब तक दूसरे दौर की वार्ता हो नहीं जाती और वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाती, तब तक पश्चिम एशिया संकट और साथ ही ऊर्जा संकट खत्म होने के आसार नहीं।

अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता इसलिए विफल हुई थी, क्योंकि ईरान न तो यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम से पीछे हटने को तैयार था और न ही होर्मुज पर अपना आधिपत्य छोड़ने के लिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि युद्धविराम विस्तार के बाद भी होर्मुज बंद है। अमेरिकी नाकेबंदी के पहले वहां से इक्का-दुक्का जो जहाज निकल पा रहे थे,अब वे भी नहीं निकल पा रहे हैं।

ईरान अमेरिकी नाकेबंदी खत्म करने की शर्त रखने के साथ ही इस पर अड़ा है कि वह होर्मुज से निकलने वाले जहाजों को अपनी निगरानी में निकलने देगा और उनसे फीस भी वसूलेगा। यह किसी को स्वीकार नहीं हो सकता-न तो अमेरिका को और न ही खाड़ी देशों को,क्योंकि होर्मुज स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। होर्मुज से विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की ढुलाई होती है।

उसके बाधित होने से भारत समेत एशियाई देशों को ही ऊर्जा संकट का सामना नहीं करना पड़ रहा है। संकट का असर अमेरिका समेत पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। हालांकि अमेरिका के पास अपने तेल एवं गैस भंडार हैं, लेकिन होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति ठप हो जाने से तेल और गैस के दाम उसके यहां भी बढ़ रहे हैं। उसके मुकाबले विश्व के अन्य देशों को कहीं अधिक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।

चूंकि ईरान यह समझ रहा है कि वह होर्मुज बाधित कर विश्व के देशों को अमेरिका पर इसके लिए दबाव डालने में सक्षम हो सकता है कि वह टकराव से पीछे हटे,इसलिए उसने भी कठोर रवैया अपना लिया है। यह रवैया दूसरे दौर की वार्ता को भी विफल कर सकता है। ईरान अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी देशों में उसके ठिकानों को निशाना बनाने में भी सक्षम है। अमेरिका की समस्या यह है कि वह ईरान के हमलों का पूरी तरह प्रतिकार करने में सक्षम नहीं दिख रहा। इससे अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले खाड़ी के देशों में भी बेचैनी है।

यह स्पष्ट है कि होर्मुज खुलने में जितना विलंब होगा, ऊर्जा संकट उतना ही गहराएगा। इस संकट के चलते अमेरिका ईरान को नए सिरे से निशाना बनाने के लिए बाध्य तो हो सकता है, लेकिन ट्रंप के लिए उसके खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं। शायद यही कारण है कि वे कभी ईरान को तबाह करने की धमकी देते हैं और कभी उससे समझौते की उम्मीद जताते हैं। वे बीते 10-12 दिनों में न जाने कितनी बार अपने बयान बदल चुके हैं। उनके बार-बार बदलते और विरोधाभासी बयानों से विश्व को यही संदेश जा रहा है कि वे पश्चिम एशिया में उपजे संकट का समाधान करने की स्थिति में नहीं।

समुद्र की गहराइयों में भारत की शक्ति

डॉ. सत्यवान सौरभ,
भिवानी,हरियाणा

आधुनिक युग में युद्ध की प्रकृति ने पारंपरिक सीमाओं को पूरी तरह पार कर लिया है...अब यह केवल टैंकों, विमानों या सैनिकों तक सीमित नहीं रह गया,बल्कि एक बहुआयामी, जटिल और तकनीक-प्रधान प्रक्रिया बन चुका है,जिसमें ड्रोन,साइबर हमले,अंतरिक्ष-आधारित निगरानी प्रणालियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हाइपरसोनिक मिसाइलें एक साथ कार्य करती हैं... इस परिवर्तित परिदृश्य में युद्ध किसी एक भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता,बल्कि समुद्र,आकाश,भूमि और साइबर स्पेस के बीच निरंतर समन्वय के रूप में संचालित होता है...ऐसे वातावरण में भारत जैसी उभरती क्षेत्रीय एवं वैश्विक शक्ति के लिए अपनी सुरक्षा रणनीति को पुनर्परिभाषित करना अनिवार्य हो गया है... विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का विकास अब विकल्प नहीं,बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है,क्योंकि यह न केवल भारत की रक्षा क्षमता को सुदृढ़ करता है, बल्कि उसकी वैश्विक सामरिक स्थिति को भी मजबूत बनाता है...

हिंद महासागर क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ इस आवश्यकता को और स्पष्ट करती हैं। यह क्षेत्र केवल सामरिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है,बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग भी है। विश्व के अधिकांश तेल परिवहन और व्यापारिक जहाज इसी मार्ग से गुजरते हैं,और भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी पर निर्भर करती है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता या बाहरी हस्तक्षेप भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। चीन की बढ़ती समुद्री उपस्थिति,बंदरगाहों के विकास की उसकी नीति तथा क्षेत्र में उसकी सैन्य गतिविधियाँ भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौती प्रस्तुत करती हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं और उसकी नौसैनिक शक्ति में हो रही वृद्धि भी चिंता का विषय है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी समुद्री सुरक्षा को केवल पारंपरिक साधनों तक सीमित न रखे, बल्कि उसे परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से भी सशक्त बनाए।

समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी संभावित विरोधी को यह स्पष्ट संदेश मिले कि यदि वह परमाणु हमला करता है,तो उसे समान या उससे अधिक प्रभावी जवाब का सामना करना पड़ेगा। यही सिद्धांत 'विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध' की अवधारणा को जन्म देता है, जिसके तहत कोई भी देश अपनी सुरक्षा के लिए उतनी ही परमाणु क्षमता विकसित करता है जितनी संभावित खतरे को रोकने के लिए आवश्यक हो। भारत की 'नो फर्स्ट यूज' नीति भी इसी सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि भारत पहले परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करेगा,लेकिन यदि उस पर हमला होता है, तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति की विश्वसनीयता तभी संभव है जब भारत के पास ऐसी क्षमता हो जो प्रथम हमले के बाद भी सुरक्षित रहे और प्रभावी जवाब दे सके। यही वह स्थान है जहाँ समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, विशेष रूप से परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियाँ,अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पनडुब्बियाँ इस संदर्भ में सबसे प्रभावी माध्यम मानी जाती हैं, क्योंकि वे समुद्र की गहराइयों में लंबे समय तक गुप्त रूप से रह सकती हैं और उनका पता लगाना अत्यंत कठिन होता है। यही उनकी 'सेकंड स्ट्राइक क्षमता' को सुदृढ़ बनाता है। अर्थात यदि देश के स्थलीय या हवाई ठिकाने नष्ट भी हो जाएँ, तो समुद्र में मौजूद पनडुब्बियाँ जवाबी हमला करने में सक्षम रहती हैं। यह क्षमता किसी भी विरोधी के लिए एक मजबूत निरोधक तत्व बन जाती है, क्योंकि उसे यह ज्ञात होता है कि वह पूर्णतः सुरक्षित नहीं है। इस प्रकार,समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता केवल युद्ध की स्थिति में ही नहीं, बल्कि शांति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारत ने इस दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वदेशी तकनीक पर आधारित परमाणु-संचालित पनडुब्बियों का विकास इस बात का संकेत है कि भारत अब अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है। इन पनडुब्बियों में लंबी दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की क्षमता होती है, जो उन्हें रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। इसके साथ ही, आधुनिक तकनीकों जैसे मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल का उपयोग उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है, जिससे एक ही मिसाइल से अनेक लक्ष्यों को साधा जा सकता है। यह क्षमता न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण है,बल्कि विरोधी के लिए रणनीतिक चुनौती भी प्रस्तुत करती है। हालाँकि,केवल पनडुब्बियों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा के लिए भी एक सुदृढ़ तंत्र की आवश्यकता होती है। परमाणु पनडुब्बियाँ अत्यंत जटिल तकनीकी प्रणालियों पर आधारित होती हैं और उनका संचालन उच्च स्तर की विशेषज्ञता तथा प्रशिक्षण की माँग करता है। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुकी है, क्योंकि आधुनिक युद्ध में साइबर हमले किसी भी सैन्य प्रणाली को निष्क्रिय कर सकते हैं। यदि पनडुब्बियों के संचार तंत्र या नियंत्रण प्रणाली को हैक कर लिया जाए,तो यह गंभीर खतरा बन सकता है। इसी प्रकार, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियाँ भी पनडुब्बियों की गोपनीयता को चुनौती दे सकती हैं,जिससे उनकी रणनीतिक उपयोगिता प्रभावित हो सकती है।भविष्य की रणनीति में इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना आवश्यक होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता,क्वांटम संचार और उन्नत सेंसर तकनीक का उपयोग पनडुब्बियों की क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ कर सकता है। क्वांटम संचार विशेष रूप से सुरक्षित संचार का एक नया माध्यम प्रदान कर सकता है, जिससे दुश्मन द्वारा संचार को बाधित या अवरोधित करना लगभग असंभव हो जाएगा। साथ ही, उन्नत सेंसर और निगरानी प्रणालियाँ पनडुब्बियों को अधिक सटीक, प्रभावी और सुरक्षित बना सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, किंतु अंततः किसी भी देश की सुरक्षा उसकी अपनी क्षमताओं पर ही निर्भर करती है। भारत विभिन्न वैश्विक मंचों पर सक्रिय है और समुद्री सुरक्षा के लिए सहयोग को प्रोत्साहित करता है, परंतु उसे अपनी स्वदेशी क्षमताओं को भी समान रूप से सुदृढ़ करना होगा। इसके लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाना, वैज्ञानिक संस्थानों को सशक्त बनाना तथा रक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है। समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का विकास केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक संतुलित और जिम्मेदार रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शांति और स्थिरता बनाए रखना है। एक मजबूत प्रतिरोधक क्षमता संभावित संघर्षों को रोकने में सहायक होती है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश आक्रामक कदम उठाने से पहले उसके परिणामों पर गंभीरता से विचार करे। इस प्रकार, यह क्षमता युद्ध को रोकने का एक प्रभावी माध्यम बन जाती है। अंततः,यह कहा जा सकता है कि आधुनिक युग में भारत की समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का एक केंद्रीय तत्व बन चुकी है। यह न केवल भारत को बाहरी खतरों से सुरक्षित रखती है,बल्कि उसे वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और सक्षम शक्ति के रूप में स्थापित भी करती है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों और उभरती चुनौतियों के बीच,भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी रणनीति को निरंतर अद्यतन करता रहे और नई तकनीकों तथा विचारों को अपनाकर अपनी सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाए। इस दिशा में उठाए गए कदम न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी एक सुरक्षित और स्थिर वातावरण सुनिश्चित करेंगे।

वॉशिंगटन हिल्टन : इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी?

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार,हरियाणा

वॉशिंगटन के प्रतिष्ठित वॉशिंगटन हिल्टन में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल एक सुरक्षा संबंधी घटना नहीं थी, बल्कि एक ऐसा क्षण था जिसने इतिहास,राजनीति और लोकतंत्र–तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। जब व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी,तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं था। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे। कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई गहरे सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है।

इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी-कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी। उस हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा था। उस समय भी यही सवाल उठे थे–सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं।

घटना के दौरान मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक,भाषण,मीडिया और राजनीति का मिश्रण–यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग अपनी सुरक्षा के लिए टेबलों के नीचे छिपने लगे, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है। पिछले कुछ वर्षों में

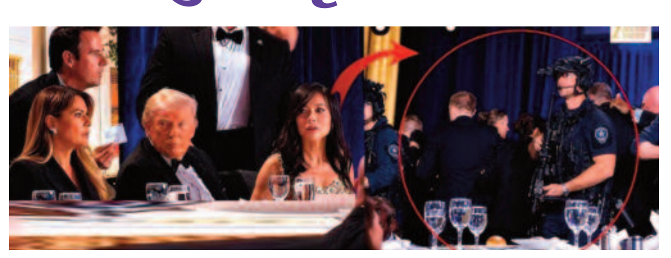

अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर,संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग-थलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है।

डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव,फेक न्यूज़ जैसे शब्दों का प्रयोग,और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा–इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती,बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए–अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते,बल्कि वे मानसिक अस्थिरता,ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं।

इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है–डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी,षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं। भारत जैसे देशों के लिए, जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है;इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द,संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है–क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनावों और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वॉशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है।

इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं। मीडिया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र होता है, स्वयं इस घटना का हिस्सा बन गया। पत्रकार, जो सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वहां उपस्थित थे,अचानक स्वयं एक संकट का सामना करने लगे। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी भूमिका को लेकर समाज में बढ़ती असहिष्णुता भी इस प्रकार की घटनाओं को जन्म दे रही है।

अंततः,यह घटना केवल अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चेतावनी है। इतिहास स्वयं को दोहराता है, लेकिन हर बार वह एक नया संदेश भी देता है। 1981 की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुए थे; 2026 की इस घटना के बाद संभवतः और व्यापक बदलावों की आवश्यकता होगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन तकनीक या सुरक्षा में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होना चाहिए। जब तक समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोक पाना कठिन रहेगा।

वॉशिंगटन हिल्टन की यह रात केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्पण है–जिसमें हम लोकतंत्र की शक्ति और उसकी कमजोरियों दोनों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। यह हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून और सुरक्षा एजेंसियों के भरोसे नहीं की जा सकती, बल्कि यह नागरिकों की सोच, उनके व्यवहार और उनके मूल्यों पर भी निर्भर करती है। यदि हम इस संदेश को समझ लें,तो शायद भविष्य में इतिहास को स्वयं को दोहराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

भोले कहकर जीवन चलता

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर,मध्यप्रदेश

भोले कहकर जीवन चलता
और नहीं कुछ जमता मुझको,
मन भोले में रमता,
शाम-सवेरे भोले-भोले,
कहकर जीवन चलता।
और नहीं कुछ ...
मिलना और बिछड़ना भी है,
जीवन का एक जरिया,
सुख और दुख दोनों का ही,
बहता है एक दरिया।
और नहीं कुछ ...
जीवन सफर सुधरता,
भाव भोले का धरता,
एक-एक कण भोले का,
रूप नया फिर धरता।
और नहीं कुछ ...
चंचल मन पल-पल में,
ध्यान भोले का करता,
बिन भोले ये जीवन,
पल में नहीं सुधरता।
और नहीं कुछ ....
आओ भोले की सुध में हम,
खुद भोले में खो जाएं,
खुले स्वप्न जब भोर में अपना,
मिलकर हम-तुम सब मुस्काएं।
और नहीं कुछ .....

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सजदा

केशी गुप्ता
द्वारका,दिल्ली

अफ़सोस नहीं बढ़ती उमर का
अफ़सोस नहीं घटती हुई सांसों का
खुशी है घटती उन घड़ियों की
जो ले जा रही प्रभु मिलन की ओर
बहुत कुछ देखा बहुत कुछ जाना
बहुत कुछ ढूंढा बहुत कुछ गंवाया
भीड़ में जब भी पाया खुद को अकेला
सदैव उस को ही अपने अंग -संग पाया
कई बार चली जीवन में आंधियां
नैया भी डोली बीच मझधार में
हर रंग में रंगा उसने मुझको
पतवार बना वो मेरा हर कदम
सजदे में सर को झुकाए खड़ी हूं
के ले- ले मुझे अपनी आगोश में

नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की ऊँची छलांग

संजय गोस्वामी,
दुंदी बाजार,पटना

काल्पकम स्थित भारत का प्रोटोटाइप फ्रास्ट ब्रीडर रिएक्टर 6 अप्रैल 26 को क्रिटिकल हुआ अतः भारत रूस के बाद दूसरा देश बना जो फ्रास्ट ब्रीडर रिएक्टर को चालू किया जिसे प्रधानमंत्री ने मन की बात में सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम में इसे सबसे बड़ी सफलता बताया और भारतीय परमाणु वैज्ञानिक को बधाई भी दी।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के लिए गौरव का क्षण कहा,जब 6 अप्रैल 26 को 500-मेगावाट,पोलैंड-कोल्ड फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने प्रारंभिक क्रिटिकलिटी हासिल कर ली। यह माइल्स का पत्थर है,जो लगातार देरी का शिकार बना रहा पीएफबीआर प्रोजेक्ट के लगभग 22 साल बाद शुरू हुआ, भारत के तीन-चरण वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का अंतिम लक्ष्य देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को उसका विशाल थोरियम भंडार के साथ देना है। संदर्भ पीएफबीआर की कहानी 1950 के दशक से शुरू होती है-लेकिन सबसे

पहले, भारत के आज के क्षेत्रर सेक्टर पर एक नजर से यह पता चला है कि देश ने इस परियोजना में इतना समय क्यों लगाया है। आज भारत में 25 रॉकेट रिएक्टर चल रहे हैं;जो दुनिया का सातवां सबसे बड़ा परमाणु बेड़ा (रिएक्टरों की संख्या के हिसाब से) है। हालाँकि, 1.4 अरब लोगों के साथ, भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है; इसका मतलब यह है कि अपने बेड़े के आकार के बावजूद, प्रति व्यक्ति परमाणु क्षमता के मामले में यह सभी परमाणु-सक्षम देशों में सबसे पीछे है। प्रति 10 लाख लोगों पर इसकी परिचालन

क्षमता लगभग 6 मेगावाट है। (संदर्भ के लिए, अमेरिका की प्रति 10 लाख लोगों की क्षमता 285 मेगावाट है,जबकि फ्रांस की 921 मेगावाट है।) इसके अलावा, भारत में यूरेनियम का भंडार कम होने के कारण देश को इन रिएक्टरों के लिए आरक्षण पर बहुत अधिक प्रतिबंध है। कुल मिलाकर, भारत के परमाणु क्षेत्र के पास वर्तमान में न तो वह पैमाना है और न ही वह स्वतंत्रता है, जिसे हासिल करने का देश लक्ष्य बना हुआ है। हालाँकि,ये स्थिर चुनौतियाँ किसी भी तरह से शान्त नहीं हैं। भारत में वर्तमान में अपने तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम का पहला चरण पूरा हो रहा है। इस कार्यक्रम का प्रोटोटाइप मूल रूप से 1950 के दशक में होमी भाभा ने तैयार किया था। होमी भाभा भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग के पहले अध्यक्ष थे, और भारतीय परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने उन्हें देश के परमाणु क्षेत्र का वास्तुकार दर्जा दिया है। यूरेनियम के विशिष्ट छोटे भंडार के विपरीत,भारत के पास थोरियम का विशाल भंडार मौजूद है। देश की परमाणु योजना का अंतिम लक्ष्य इसी तरह थोरियम का उपयोग करके यूरेनियम पर अपनी शुरुआत को कम करना और (सैद्धांतिक रूप से) एक क्लोज्ड फुल साइकल (बंद जेल चक्र) का निर्माण करना है। इस योजना के पहले चरण में हेवी वॉटर रिएक्टर (पीएचडब्लूआर) का फोकस है (जैसा कि भारत के अंतिम रिएक्टरों में से हैं), जो प्राकृतिक और कम-समृद्ध यूरेनियम जेट का उपयोग करते हैं। दूसरे चरण में, इन पीएचडब्ल्यूआरएस से निकाले गए जलेब को, थोरियम के साथ मिलाकर, एक फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि विखंडनीय यूरेनियम -233 बनाया जा सके। तीसरे चरण में, भारत के लक्ष्य ब्रीडर रिएक्टरों में बने -यू-233 का उपयोग करके थोरियम से बड़े पैमाने पर बिजली बनाई गई है; इस यू-233 का उपयोग अगली पीढ़ी के एडवांस्ड हेवी वाटर रिएक्टरों में जलचर के तौर पर किया जाएगा। पीएफबीआर में क्रिटिकलिटी हासिल करना भारत की योजना के पहले चरण से दूसरे चरण में जाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालाँकि, ध्यान रखें कि यह भारत का पहला ब्रीडर राइटर नहीं है। पीएफबीआर का डिज़ाइन सीधे तौर पर फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर) के निर्माण और संचालन से सीखे गए दीक्षांत समारोह पर आधारित है; एफ बी टी आर एक भरोसेमंद छोटा, 40-एमडब्ल्यूटी क्षमता वाला रिएक्टर था, जिसने 1985 में काम करना शुरू किया था। एफबीटीआर और पीएफबीआर, दोनों ही डीएई द्वारा संचालित इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटोमिक रिसर्च (आईजीसीएआर) में स्थित हैं; इसी संस्था ने इन रिएक्टरों को डिजाइन करने का काम किया था। पीएफबीआर में यूरेनियम-प्लूटोनियम मिक्स्ड प्लांटर (एमओएक्स) का उपयोग होता है, और इसके कोर के चारों ओर यूरेनियम-यू-238 का एक परत (कंबल) होता है। तेज़ न्यूट्रॉन इस उर्वर -238 को विखंडनीय प्लूटोनियम-239 में बदल दिया जाएगा, जिससे प्रजनन की प्रक्रिया पूरी होगी। इस रिएक्टर के डिज़ाइन में यह सुविधा भी है कि उस ब्लैंकेट में उर्वर थोरियम-232 का उपयोग किया जा सकता है, जो इसी तरह यू-233 में बदला जाएगा।

CMYK

अम्बिकापुर अग्निकांड : 4 घंटे धमाके होते रहे,सिस्टम देखता रहा...क्या इस बार भी बच जाएंगे जिम्मेदार?

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

राम मंदिर रोड स्थित श्रीराम मंदिर के सामने तंग गली में 23 अप्रैल को हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे शहर को हिला दिया। जिस दुकान और गोदाम को शहर वर्षों से मुकेश फटाखा और प्लास्टिक दुकान के नाम से जानता था,वहां लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग लगने के बाद लगातार 3 से 4 घंटे तक धमाकों की आवाजें आती रहीं। लोग घर छोड़कर भागते रहे,बच्चे और महिलाएं दहशत में रातभर सड़कों पर रहे। सबसे राहत की बात यह रही कि आग आगे की ओर नहीं बढ़ी। यदि लपटें सामने की आबादी की तरफ फैलतीं,तो पूरा मोहल्ला चपेट में आ सकता था। दमकल,पुलिस, बिजली विभाग और प्रशासनिक अमले ने करीब 25 से 30 घंटे तक लगातार मशक्कत कर हालात पर काबू पाया। जनहानि नहीं होना इस पूरे हादसे की सबसे बड़ी राहत रही। लेकिन हादसे के बाद अब शहर में सिर्फ एक सवाल गूंज रहा है–क्या इस बार भी जिम्मेदार बच जाएंगे?

अगर पटाखे नहीं थे,तो धमाके किसके थे?

घटना के बाद कई जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने प्रारंभिक बयान में कहा कि वहां मुख्य रूप से प्लास्टिक का सामान रखा था,पटाखे बहुत कम या नहीं के बराबर थे। लेकिन इलाके के लोगों का सवाल है कि यदि ऐसा था,तो फिर घंटों तक धमाके कैसे होते रहे? आसमान में आतिशबाजी जैसी आवाजें किस चीज की थीं? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वर्षों से यह प्रतिष्ठान पटाखा और प्लास्टिक दोनों कारोबार के रूप में जाना जाता रहा है। दीपावली के दौरान भी यहां बड़े स्तर पर पटाखों का व्यापार होता था। ऐसे में अचानक यह कहना कि वहां पटाखे नहीं थे,कई सवाल खड़े कर रहा है।

पुराना मामला भी चर्चा में...

शहरवासियों को पिछली दीपावली का मामला भी याद है,जब कुछ मात्रा में अवैध पटाखा जब्त किए जाने की कार्रवाई हुई थी। चर्चा यह भी रही कि कार्रवाई तो हुई,लेकिन जिम्मेदार कौन था,किस पर केस दर्ज हुआ और कौन जेल गया–यह आज तक स्पष्ट नहीं हो पाया। लोगों का आरोप है कि हर बार असली संचालक बच जाता है और कार्रवाई किसी कर्मचारी,रिश्तेदार या नाममात्र के व्यक्ति पर होती है। यही वजह है कि इस बार भी जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

राख हटने लगी,सबूत कौन बचाएगा?

घटना के बाद प्रशासन ने जांच समिति बनाई है। नगर निगम की ओर से भी टीम गठित की गई है। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि जब मलबा हटाया जा रहा है,राख समेटी जा रही है, तब आखिर जांच किस आधार पर होगी?कितना बारूद था,कितना प्लास्टिक था, कितने सिलेंडर थे,कितने फटे,लाइसेंस किस नाम पर था,भवन किसके नाम पर है–इन तमाम सवालों के जवाब अब भी अस्पष्ट हैं।

घनी आबादी में इतना बड़ा खतरा कैसे चलता रहा?

राम मंदिर रोड का यह इलाका घनी आबादी वाला क्षेत्र है। संकरी गलियां,आसपास मकान,दुकानों की कतार और बीच में ज्वलनशील सामग्री का कथित भंडारण–लोग पूछ रहे हैं कि आखिर वर्षों तक यह सब कैसे चलता रहा? यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा था तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? हादसे के बाद जांच बैठाना आसान है,हादसे से पहले रोकना प्रशासन की जिम्मेदारी थी।

पहले भी उठते रहे सवाल...

शहर में यह पहला मामला नहीं है जब हादसे के बाद सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी पर सवाल उठे हों। इससे पहले भी बाजार क्षेत्रों में आगजनी,अवैध भंडारण, यातायात अव्यवस्था और संकरी गलियों में सुरक्षा संसाधनों की कमी जैसे मुद्दे उठते रहे हैं। हर बार कुछ दिन चर्चा होती है, फिर मामला ठंडा पड़ जाता है।

पीड़ितों की नजर राहत पर...

इस हादसे में कई घरों की दीवारें क्षतिग्रस्त हुई,खिड़कियां टूटीं,घरेलू सामान खराब हुआ। प्रभावित परिवार अब राहत और मुआवजे की उम्मीद लगाए बैठे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी मुआवजा अक्सर वास्तविक नुकसान की तुलना में बहुत कम होता है, इसलिए लोग त्वरित राहत की मांग कर रहे हैं।

अब शहर जानना चाहता है...

अम्बिकापुर अब सिर्फ रिपोर्ट नहीं, जवाब चाहता है।

- घनी आबादी में ऐसा कारोबार किसकी अनुमति से चल रहा था?
- अगर पटाखे नहीं थे तो धमाके किसके थे?
- पिछली कार्रवाई में जिम्मेदार कौन था?
- इस बार असली दोषी पर कार्रवाई होगी या फिर कोई और बलि चढ़ेगा?

हर बड़े हादसे के बाद वही क्रम दोहराया जाता है...

निरीक्षण,बयान,जांच,रिपोर्ट...फिर सन्नाटा। इस बार शहर देख रहा है कि सिर्फ आग लगी थी या पूरे सिस्टम की पोल खुली है।

अम्बिकापुर अग्निकांड : जनता के दबाव के बाद आधी रात एफआईआर मुकेश अग्रवाल समेत दो नामजद...अब क्या होगी बड़ी कार्रवाई?

राम मंदिर रोड स्थित श्रीराम मंदिर के सामने तंग गली में 23 अप्रैल को हुए भीषण अग्निकांड के मामले में आखिरकार जनता के दबाव और लगातार उठते सवालों के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार देर रात 12:20 बजे पुलिस ने घटना से जुड़े दो आरोपियों मुकेश अग्रवाल और प्रवीण अग्रवाल उर्फ पम्मी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। यह वही मामला है,जिसमें आग लगने के बाद लगातार 3 से 4 घंटे तक धमाके होते रहे,पूरा मोहल्ला दहशत में रहा और कई परिवारों को नुकसान झेलना पड़ा।

रात 10 बजे उठा सवाल, 2 घंटे बाद एफआईआर

घटनाक्रम ने तब तेजी पकड़ी जब गुरुवार रात करीब 10 बजे एक लाइव वीडियो के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अकिल अहमद ने कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल से सीधा सवाल पूछा गया कि क्या यह सही है कि आगजनी से जुड़े व्यापारी मुकेश अग्रवाल ने चुनाव में आर्थिक सहयोग किया था, इसलिए एफआईआर दर्ज नहीं हो रही थी? इस सवाल के बाद महज दो घंटे में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी। शहर में अब यह चर्चा तेज है कि यदि जनता का दबाव न बनता तो क्या कार्रवाई होती?

3 दिन बाद एफआईआर, सवाल बरकरार

23 अप्रैल को हुए हादसे के बाद से लगातार सवाल उठ रहे थे कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद अब तक एफआईआर क्यों नहीं हुई? घनी आबादी वाले क्षेत्र में ज्वलनशील सामग्री का कथित भंडारण, घंटों तक धमाके, कई घरों को नुकसान–इन सबके बावजूद देरी ने प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए थे। अब एफआईआर होने के बाद लोगों को उम्मीद है कि जांच सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रहेगी।

अगर पटाखे नहीं थे, तो धमाके किसके थे?

घटना के बाद कुछ अधिकारियों द्वारा यह कहा गया कि परिसर में मुख्य रूप से प्लास्टिक सामग्री थी, पटाखे बहुत कम मात्रा में थे। लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि 3 से 4 घंटे तक लगातार धमाके होते रहे। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि पटाखे नहीं थे तो धमाके किस चीज के थे?

पुराने मामलों की भी चर्चा

शहरवासियों को पिछली दीपावली के दौरान अवैध पटाखा जब्ती की कार्रवाई भी याद है। उस समय भी कार्रवाई हुई थी,लेकिन असली जिम्मेदार कौन था, यह सवाल दब गया। लोगों का आरोप है कि हर बार कर्मचारी या नाममात्र के लोगों पर कार्रवाई होती है,बड़े लोग बच निकलते हैं।

प्रभावित परिवारों को न्याय कब?

इस अग्निकांड में कई मकानों को नुकसान पहुंचा,दीवारें फटीं,खिड़कियां टूटीं और परिवारों को रातभर घर छोड़ना पड़ा। प्रभावित लोग अब मुआवजे और न्याय की मांग कर रहे हैं।

अब जनता की नजर जांच पर...

एफआईआर दर्ज होना पहला कदम माना जा रहा है,लेकिन शहर अब आगे की कार्रवाई देखना चाहता है–

- क्या उचित धाराएँ जोड़ी जाएंगी?
- क्या असली जिम्मेदारों तक जांच पहुंचेगी?
- क्या सुरक्षा मानकों की अनदेखी उजागर होगी?
- क्या पीड़ित परिवारों को राहत मिलेगी?

जनता की आवाज़ का असर

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बात साफ कर दी है कि जब जनता सवाल पूछती है, तब सिस्टम को जवाब देना पड़ता है।

अब अम्बिकापुर इंतजार कर रहा है...

क्या यह सिर्फ एफआईआर तक सीमित रहेगा, या सच में जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी?

भावुक पोस्ट के बाद एफआईआर : अम्बिकापुर अग्निकांड में मुकेश और प्रवीण अग्रवाल पर केस,सिर्फ मामूली धाराओं में कार्रवाई से उठे सवाल

राम मंदिर रोड स्थित भीषण अग्निकांड मामले में सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट कर माफी मांगने के बाद आखिरकार मुकेश अग्रवाल और प्रवीण अग्रवाल पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125,270 और 287 के तहत मामला कायम किया है। हालांकि एफआईआर दर्ज होने के बाद अब धाराओं को लेकर नए सवाल खड़े हो गए हैं। जिन धाराओं में मामला दर्ज किया गया है,वे ज़मानती श्रेणी की बताई जा रही हैं और इनमें अधिकतम 6 माह तक की सजा का प्रावधान है। ऐसे में शहर में चर्चा है कि इतने बड़े अग्निकांड,घंटों धमाकों,जान-माल के भारी खतरे और कई परिवारों को नुकसान के बाद क्या इतनी हल्की धाराएं पर्याप्त हैं?

पहले माफी फिर केस

घटना के बाद पहली बार मुकेश अग्रवाल की ओर से सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट सामने आई थी,जिसमें शर्मिंदगी जताते हुए माफी मांगी गई थी। इसके कुछ समय बाद अब एफआईआर दर्ज होने से मामला और गरमा गया है।

बलसेड़ी में 'मन की बात' श्रवण के साथ स्वास्थ्य शिविर और जन चौपाल,शिव मंदिर जीर्णोद्धार का भूमि पूजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-01 के ग्राम बलसेड़ी में प्रधानमंत्री के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया के साथ कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान जन चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। श्रीमती सिसोदिया ने सभी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। इसी क्रम में श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया द्वारा बलसेड़ी स्थित शिव मंदिर के लगभग 5 लाख रुपये की लागत से होने वाले जीर्णोद्धार कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में परसा मंडल महामंत्री अमृत लाल यादव,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रोहन मंडल, रमेश कुमार चेरवा, सरपंच हुबलाल, कुल्हाड़ी सरपंच करमचंद्र, मोती यादव, अनिल ठाकुर, चंद्रिका यादव, रमेश ठाकुर, गायत्री ठाकुर, शामिल राम, बालकुमारी सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रिंग रोड के खुले डिवाइडर बंद करने का काम शुरू...

10 फरवरी को पार्षद शुभम जायसवाल ने कलेक्टर को सौंपा था ज्ञापन,हादसों पर जताई थी चिंता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर के रिंग रोड में अवैध रूप से खुले डिवाइडरों को बंद करने की मांग पर कार्रवाई शुरू हो गई है। खुले डिवाइडरों को बंद करने का कार्य प्रारंभ होने पर नगर निगम पार्षद शुभम जायसवाल ने सरगुजा कलेक्टर का आभार जताया है। पार्षद शुभम जायसवाल ने 10 फरवरी को सरगुजा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर रिंग रोड पर खुले डिवाइडरों को बंद कराने की मांग की थी। ज्ञापन में कहा गया था कि शहर में कई स्थानों पर डिवाइडर अवैध रूप से खुले होने के कारण लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने बताया था कि नमना कला क्षेत्र के एक निवासी की मौत भी खुले डिवाइडर को क्रॉस करते समय हो गई थी। इसके बाद आम जनता की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई थी। अब प्रशासन द्वारा खुले डिवाइडरों को बंद करने का काम शुरू कर दिया गया है। इस पर पार्षद शुभम जायसवाल ने कहा कि यह निर्णय अंबिकापुर की जनता के हित में है और इससे सड़क हादसों में कमी आएगी।

अंबिकापुर में रिंग बांध तालाब पर अवैध कब्जे का खुलासा

फर्जी दस्तावेजों से नामांतरण का आरोप,एफआईआर की मांग

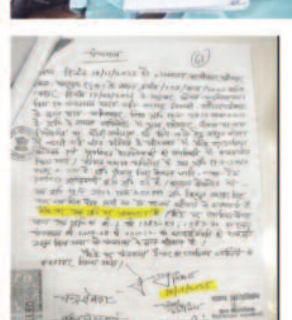

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

नगर निगम क्षेत्र के रिंग रोड स्थित प्रसिद्ध रिंग बांध तालाब को पाटकर कब्जा किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जल भराव क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और राजस्व रिकॉर्ड में कथित हेराफेरी के आरोपों के बीच भाजपा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गंभीर खुलासे किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आजाद इराकी द्वारा स्वयं को भूमि स्वामी बताते हुए तालाब की जमीन को पाट दिया गया और कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नामांतरण करा लिया गया। मिश्रा ने कलेक्टर सरगुजा से पूरे मामले की जांच कर एफआईआर दर्ज करने, नामांतरण निरस्त करने और तालाब को मूल स्वरूप में बहाल करने की मांग की है।

6.25 एकड़ से सिमटकर 57 डिसमिल रह गया तालाब : कैलाश मिश्रा के अनुसार,मूल रूप से करीब 6.25 एकड़ निस्तार भूमि वाले रिंग बांध तालाब का क्षेत्रफल घटकर अब मात्र 57 डिसमिल रह गया है। आरोप है कि जनवरी 2026 में बची हुई भूमि की भी रजिस्ट्री कर दी गई और रातोंरात बड़े हिस्से को मिट्टी डालकर पाट दिया गया। इससे तालाब की जल संरक्षण क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो भविष्य में शहर में जल संकट और जलभराव दोनों की समस्या बढ़ सकती है।

खसरा नंबर 3714 पर उठे सवाल : प्रेस वार्ता में श्री मिश्रा ने खसरा नंबर 3714 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि रिंग बांध तालाब क्षेत्र का हिस्सा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जो भूमि पहले कृष्ण बहादुर सिंह वल्द राम सिंह के नाम पर दर्ज थी,वह वर्ष 1982-83 में अचानक जयलाल के नाम पर कैसे दर्ज हो गई? उन्होंने आरोप लगाया कि इस परिवर्तन की कभी गंभीर जांच नहीं हुई।

एक व्यक्ति की दो मौत? फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्र का आरोप :मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू कथित फर्जी मृत्यु प्रमाण-पत्रों को लेकर सामने आया है। मिश्रा के अनुसार, पहले एक नामांतरण प्रकरण में जयलाल का मृत्यु प्रमाण-पत्र लगाया गया, जिसमें मृत्यु तिथि 23 अप्रैल 1976, स्थान होली क्रॉस हॉस्पिटल अंबिकापुर दर्ज है, जबकि प्रमाण-पत्र का पंजीकरण 24 फरवरी 2018 को हुआ। बाद में दूसरे नामांतरण प्रकरण में फिर जयलाल पिता बोधन का नया मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें मृत्यु तिथि 12 अप्रैल 1963, स्थान अमलभित्ति, लखनपुर बताया गया। यह प्रमाण-पत्र 1 सितंबर 2025 को जारी किया गया।

श्री मिश्रा ने सवाल उठाया—

'एक ही व्यक्ति की मौत दो अलग-अलग तारीखों और दो अलग-अलग स्थानों पर कैसे हो सकती है? '

उन्होंने इसे फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का स्पष्ट मामला बताया।

आजाद इराकी के पक्ष में नामांतरण निरस्त करने की मांग : भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि इन संदिग्ध दस्तावेजों के आधार पर भूमि का नामांतरण कर आजाद इराकी के पक्ष में रिकॉर्ड दर्ज किया गया। उन्होंने प्रशासन से तत्काल प्रभाव से उक्त नामांतरण निरस्त करने की मांग की है।

शहर के जल संसाधनों पर संकट : रिंग बांध तालाब लंबे समय से अंबिकापुर का प्रमुख जल भराव क्षेत्र माना जाता रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि तालाबों और निस्तार भूमि पर इसी तरह कब्जा होता रहा तो शहर में पर्यावरणीय असंतुलन, भूजल संकट और बाढ़ जैसी समस्याएं बढ़ेंगी।

अब प्रशासन पर नजर : मामले के सार्वजनिक होने के बाद अब शहरवासियों की नजर जिला प्रशासन पर टिक गई है। सवाल यह है कि–

- क्या फर्जी दस्तावेजों की जांच होगी?
- क्या नामांतरण निरस्त होगा?
- क्या तालाब को फिर से जीवित किया जाएगा?
- क्या दोषियों पर एफआईआर दर्ज होगी?
- अंबिकापुर अब जवाब चाहता है–तालाब बचेगा या कब्जे का खेल जारी रहेगा?

सरगुजा में गहराया पेट्रोल-डीजल संकट,टंकियां सूखी,बैठकों का दौर जारी,समाधान अब भी अधूरा

सप्लाई बाधित,पंप संचालक दबाव में,कंटेनर पर रोक से ग्रामीणों की मुश्किल बढ़ी

- सप्लाई ठप्प,सिस्टम सख्त...सरगुजा में पेट्रोल-डीजल को लेकर हाहाकार
- पेट्रोल नहीं,निर्देश भरपूर...सरगुजा में संकट पर प्रशासन घिरा
- ड्राई पंप और भारी मीटिंग सरगुजा में ईंधन संकट पर सवाल
- जब टंकी खाली,तो नियम क्यों भारी? सरगुजा में पेट्रोल संकट
- ईंधन संकट के बीच सख्ती का डंडा...सरगुजा में उलटी पड़ रही रणनीति

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को लेकर गंभीर संकट की स्थिति बनती जा रही है,जिला प्रशासन द्वारा लगातार बैठकें कर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात इसके बिल्कुल उलट नजर आ रहे हैं, पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी इस कदर बढ़ गई है कि कई पंप पूरी तरह ड्राई हो चुके हैं, जबकि कुछ स्थानों पर सीमित मात्रा में उपलब्ध स्टॉक कुछ ही घंटों में खत्म हो जा रहा है। सरगुजा में उत्पन्न पेट्रोल-डीजल संकट ने प्रशासनिक व्यवस्था और आपूर्ति तंत्र की कमजोरियों को उजागर कर दिया है, एक ओर प्रशासन व्यवस्था सुधारने के प्रयासों में जुटा है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि पंपों पर ईंधन की उपलब्धता लगातार घटती जा रही है, इस स्थिति में सबसे अधिक प्रभावित आम नागरिक और पंप संचालक हो रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ी परेशानी

सरगुजा क्षेत्र के कई ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में आज भी पेट्रोल पंप की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसे में लोग वर्षों से कंटेनरों के माध्यम से पेट्रोल-डीजल खरीदकर अपनी जरूरतें पूरी करते रहे हैं। वर्तमान में कंटेनरों में ईंधन देने पर सख्ती के कारण किसानों, मशीन संचालकों और अन्य ग्रामीण उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग अपनी मशीनों को पंप तक लाने में असमर्थ हैं, जिससे उनका काम प्रभावित हो रहा है।

क्यों सूख रही हैं भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की टंकियां? सरगुजा में सबसे ज्यादा संकट क्यों?

सरगुजा संभाग में पेट्रोल-डीजल संकट के बीच सबसे गंभीर स्थिति भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंपों पर देखने को मिल रही है, जिले के अधिकांश बीपीसीएल पंप या तो पूरी तरह ड्राई हो चुके हैं या फिर सीमित स्टॉक के साथ कुछ घंटों में खाली हो जा रहे हैं। यह स्थिति न केवल आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी है, बल्कि पंप संचालकों के लिए भी बड़ा संकट खड़ा कर रही है, संचालकों का साफ कहना है कि उन्होंने समय पर भुगतान कर इंडेंट डाला है, इसके बावजूद उन्हें सप्लाई नहीं मिल रही। यानी समस्या मांग या भुगतान की नहीं, बल्कि सप्लाई चेन की है। जब टैंकर ही डिपो से नहीं पहुंच रहे, तो पंपों पर ईंधन उपलब्ध कराना संभव नहीं हो पा रहा, यही वजह है कि बीपीसीएल के पंप सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहे हैं, विशेषज्ञों के अनुसार, हर तेल कंपनी का वितरण नेटवर्क अलग होता है, ऐसे में यदि किसी एक कंपनी के डिपो, ट्रांसपोर्ट या लॉजिस्टिक्स में बाधा आती है, तो उसका सीधा असर उसी कंपनी के पंपों पर दिखता है, सरगुजा में बीपीसीएल के साथ यही स्थिति बनती दिख रही है, इस पूरे मामले में सबसे बड़ी समस्या पारदर्शिता की कमी भी है, पंप संचालकों को यह स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही कि सप्लाई क्यों रुकी है और कब तक स्थिति सामान्य होगी, इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हो रही है और ग्राहकों का भरोसा भी कमजोर पड़ रहा है, कुल मिलाकर, सरगुजा में बीपीसीएल पंपों की ड्राई स्थिति एक बड़े सप्लाई संकट की ओर इशारा करती है, जिसके समाधान के लिए त्वरित और ठोस कदम उठाना जरूरी है।

आपात सेवाओं पर भी असर

ईंधन संकट का असर अब आपातकालीन सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है, यदि किसी वाहन का ईंधन रास्ते में समाप्त हो जाता है या एम्बुलेंस जैसी सेवाओं को तत्काल डीजल की आवश्यकता होती है,तो वर्तमान स्थिति में उन्हें भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पंप संचालक जहां एक ओर कंटेनर में ईंधन देने से बच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके पास पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध नहीं है।

आर्थिक दबाव में पंप संचालक- इस संकट का सीधा असर पेट्रोल पंप संचालकों की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है, लगातार ईंधन की कमी के कारण उनकी आय प्रभावित हो रही है, जबकि दूसरी ओर कर्मचारियों का वेतन और अन्य खर्च यथावत बने हुए हैं, साथ ही, प्रशासनिक निगरानी के कारण हर लेन-देन पर जवाबदेही बढ़ गई है, जिससे संचालकों पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय कारणों पर चर्चा- ईंधन संकट को लेकर आम लोगों के बीच अंतरराष्ट्रीय कारणों की भी चर्चा हो रही है, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर, हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के तनाव का सीधा असर स्थानीय स्तर पर अचानक आपूर्ति बाधित होने के रूप में नहीं दिखाई देता। यह समस्या अधिकतर स्थानीय वितरण और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी होती है।

कीमतों को लेकर भी उठे सवाल- वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं कंपनियां भविष्य में कीमतों में वृद्धि के मद्देनजर आपूर्ति को सीमित तो नहीं कर रही हैं, हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि आपूर्ति लंबे समय तक प्रभावित रहती है, तो कीमतों पर असर पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

समाधान की आवश्यकता- विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल प्रभाव से आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करना आवश्यक है। नियमित अंतराल पर टैंकर भेजने, पंप संचालकों को समय पर जानकारी देने और आपातकालीन परिस्थितियों के लिए विशेष व्यवस्था करने की जरूरत है, केवल बैठकों और निर्देशों से समस्या का समाधान संभव नहीं है, जब तक कि जमीनी स्तर पर आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जाती।

बड़ा सवाल?- जब पेट्रोल पंपों तक ईंधन ही नहीं पहुंच रहा, तो केवल वितरण पर नियंत्रण से क्या संकट का समाधान संभव है?

सप्लाई में बाधा,पंपों पर संकट गहराया

जिले के कई पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि उन्होंने समय पर भुगतान कर इंडेंट डाला है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें नियमित आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, खासतौर पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के पंपों पर स्थिति अधिक खराब बताई जा रही है, जहां पिछले कई दिनों से ईंधन की आपूर्ति बाधित है, संचालकों के अनुसार जब टैंकर ही नहीं पहुंच रहे हैं, तो ग्राहकों को पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराना संभव नहीं है।

प्रशासनिक बैठकों पर उठे सवाल

जिला प्रशासन द्वारा हाल ही में पेट्रोल पंप संचालकों और गैस वितरकों के साथ बैठक कर उन्हें बेहतर सेवा देने और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए, बैठक में विशेष रूप से कंटेनरों में पेट्रोल-डीजल देने पर रोक लगाने और कालाबाजारी को नियंत्रित करने पर जोर दिया गया। हालांकि, इस दिशा में उठाए जा रहे कदमों को लेकर अब सवाल खड़े हो रहे हैं, पंप संचालकों का कहना है कि जब टंकी में ईंधन ही उपलब्ध नहीं है, तो वितरण के तरीके पर सख्ती से स्थिति में कोई सुधार नहीं होने वाला।

चरित्र शंका कर प्रेमिका को दी गालियां...युवती ने लगाई फांसी,आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र का मामला,आत्महत्या के दुष्प्रेरण में युवक पर केस दर्ज कर भेजा जेल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना पुलिस ने आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने फोन पर युवती के चरित्र पर शंका जताते हुए गाली-गलौज की थी, जिससे आहत होकर युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार मृतका सहोद्री सिंह निवासी धनगवां थाना गांधीनगर का गुलाम रसूल नामक युवक से प्रेम संबंध था। दोनों के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत होती थी। जांच में पता चला कि 19 सितंबर 2025 को आरोपी ने युवती को कई बार कॉल किया। बातचीत के दौरान उसने युवती को अपशब्द कहे, चरित्र पर सवाल उठाए और किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का आरोप लगाया। इसके बाद फोन काट दिया। आरोपी की बातों से परेशान होकर युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच मर्ग कायम कर की गई। परिजनों के बयान, तकनीकी साक्ष्य और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी गुलाम रसूल (22) निवासी रूदीडीह थाना नवाजयपुर जिला पलामू झारखंड को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

निजी स्कूलों से टैक्स वसूली का सुझाव,निगम परिषद में प्रस्ताव पारित

पार्षद मनोज गुप्ता बोले...आर्थिक तंगी से जूझ रहे निगम की आय बढ़ाने की जरूरत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर नगर निगम की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए निजी शैक्षणिक संस्थानों से टैक्स वसूली का सुझाव परिषद की बैठक में सामने आया। पार्षद मनोज गुप्ता ने यह प्रस्ताव रखते हुए कहा कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे नगर निगम की आय बढ़ाने के लिए नए राजस्व स्रोत तलाशना जरूरी है।

बैठक में पार्षद मनोज गुप्ता ने कहा कि शहर में संचालित कई निजी शैक्षणिक संस्थान बड़े स्तर पर व्यवसायिक गतिविधियां चला रहे हैं,ऐसे में निगम को नियमों के तहत उनसे टैक्स वसूली पर विचार करना चाहिए। इससे निगम की आय में वृद्धि होगी और शहर के विकास कार्यों को गति मिलेगी। प्रस्ताव पर परिषद में चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया गया। माना जा रहा है कि प्रस्ताव लागू होने की दिशा में आगे प्रक्रिया तय की जाएगी।

पार्षद गुप्ता ने कहा कि नगर निगम को सफाई, सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए पर्याप्त संसाधनों की जरूरत होती है। यदि राजस्व बढ़ेगा तो आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। नगर निगम परिषद में प्रस्ताव पारित होने के बाद अब प्रशासनिक स्तर पर नियमों और प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

खराब सड़कों की वर्षगांठ मनाकर कांग्रेस ने जताया विरोध

केक काटकर राहगीरों को खिलाया चॉकलेट,वार्डवासियों ने बारिश से पहले सड़क निर्माण की मांग उठाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

शहर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड और कबीर वार्ड में खराब सड़कों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ताओं ने जर्जर सड़कों की 'वर्षगांठ' मनाते हुए केक काटा और गड्ढों से भरे मार्ग से गुजर रहे राहगीरों को केक, चॉकलेट खिलाकर पानी पिलाया। इस प्रदर्शन में दोनों वार्डों की महिला पार्षदों के विरोध में कांग्रेस की वार्ड और बूथ स्तर की महिला कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। कार्यकर्ताओं ने सड़क निर्माण में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नाराजगी जताई। कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष गुरुप्रीत सिद्धू ने कहा कि संबंधित जनप्रतिनिधियों की दिलचस्पी वार्डवासियों की समस्याएं दूर करने के बजाय अपनी सुविधाएं बढ़ाने में है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के एक पार्षद के घर तक जाने वाले मार्ग को पहले सीसी रोड बनाया गया, फिर उस पर डामरीकरण भी करा दिया गया। जबकि आम लोगों के उपयोग वाली सड़कों के गड्ढों में मिट्टी तक नहीं डाली गई। वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि बारिश शुरू होने से पहले यदि सड़कों का निर्माण नहीं कराया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में शशिकला तिवारी, नीतू शर्मा, शीला श्रीवास्तव, सीमा सिंह, शिप्रा शर्मा, शोभा शर्मा, बसंती सिंह, ललिता यादव, मंजू सिंह, संगीता कश्यप, अंजली, रिया दास, अमानत खान, लक्ष्मण खुसरो, अजय सिंह, राजेश चौधरी, सत्यम सिंह, मनीष सिंह, रंजीत सोनकर, त्रिशांत सिंह, रविंद्र नाथ तिवारी, सोना खान, इरफान खान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गरज-चमक के साथ बारिश के आसार,तेज हवाओं की चेतावनी

27 से 30 अप्रैल के बीच बदलेगा मौसम...बिजली गिरने का खतरा,तापमान में गिरावट के संकेत,हीट वेव का असर भी जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं। 27 से 30 अप्रैल के बीच छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। मौसम वैज्ञानिक ए.एम.भट्ट के अनुसार,वर्तमान में विभिन्न क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण और द्रोणिका (ट्रफ) सक्रिय है, जिसके प्रभाव से मौसम में यह बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम परिवर्तन से पहले शहर में गर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। रविवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक रहा। तेज धूप और उमस के कारण दिनभर लोग परेशान रहे और दोपहर के समय सडक़ों पर आवाजाही कम रही। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश और बादल छाने से तापमान में गिरावट आएगी, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

हालांकि, तेज आंधी और बिजली गिरने की घटनाओं को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम विभाग ने कुछ क्षेत्रों में हीट वेव और गर्म रात (वार्म नाइट) की स्थिति बने रहने की भी चेतावनी दी है। लोगों को दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सारंगधर सिंह, वेणुर सिंह आ0 स्व0 श्री चन्द्रबहादुर सिंह, दोनों निवासी जेल रोड़ बाबूपारा, रामानुज वार्ड क्रमांक 33 अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके संयुक्त स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला ब्रम्हपारा, शीट नंबर-8 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक-3216 / 2 रकबा 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद क प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-15/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सारंगधर सिंह आ0 स्व0 चन्द्रबहादुर सिंह, निवासी जेल रोड़ बाबूपारा, रामानुज वार्ड क्रमांक 33 अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला बाबूपारा, शीट नंबर-9 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक-3531/19 रकबा 0.22 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद 10 प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-15/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वेणुधर सिंह आ0 स्व0 श्री चन्द्रबहादुर सिंह, निवासी जेल रोड़ बाबूपारा, रामानुज वार्ड क्रमांक 33 अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व व आधित्य की मोहल्ला बाबूपारा, शीट नंबर-9 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक-3551/13 / रकबा 0.20 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त हो रही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-15/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

सूरजपुर में शिकंजा,एमसीबी में फैलता जुए का जाल...मनेंद्रगढ़ बना नया 'हब'?

दोहरी रणनीति,बदलते ठिकाने और संदिग्ध संरक्षण-संगठित जुआ नेटवर्क पर गंभीर सवाल,आईजी सरगुजा के लिए बढ़ी चुनौती

- छोटा फड़ दिखावा,बड़ा खेल जारी–मनेंद्रगढ़ में संगठित जुए का खुलासा
- सूरजपुर के बाद अब एमसीबी निशाने पर...मनेंद्रगढ़ बना जुए का हब
- लोकेशन बदल-बदल कर चल रहा जुआ,पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल
- जुए का 'डबल गेम': कार्रवाई कहीं,असली फड़ कहीं और...
- सूरजपुर से खदेड़ा तो मनेंद्रगढ़ में जमाया डेरा–जुआ नेटवर्क सक्रिय
- जुए का हाईटेक खेल : नो मोबाइल,बदलते ठिकाने और संगठित नेटवर्क
- मनेंद्रगढ़ में जुए का बड़ा जाल ? छोटे फड़ की आड़ में बड़ा कारोबार
- कार्रवाई के बाद भी नहीं थमा जुआ,एमसीबी में फिर सक्रिय हुआ नेटवर्क

-संवाददाता-
सूरजपुर/मनेंद्रगढ़/एमसीबी,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में अवैध जुआ कारोबार एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है,सूरजपुर जिले में पुलिस की हालिया सख्ती के बाद भले ही जुए के फड़ों पर अस्थायी विराम लगा हो, लेकिन यह अवैध कारोबार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ,बल्कि,अब यह अपना ठिकाना बदलकर नए इलाके में पैर पसारता दिखाई दे रहा है, ताजा जानकारी के मुताबिक,जुए के शौकीनों और इस धंधे से जुड़े संचालकों ने अब एमसीबी (मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) जिले के मनेंद्रगढ़ शहर का रुख कर लिया है, जहां यह खेल अधिक संगठित और रणनीतिक तरीके से संचालित हो रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मनेंद्रगढ़ में जुए का संचालन अब पारंपरिक तरीके से नहीं, बल्कि एक सुनियोजित नेटवर्क के तहत किया जा रहा है, इस नेटवर्क की खासियत है इसकी दोहरी संरचना–एक छोटा जुआ फड़ और दूसरा बड़ा जुआ फड़। यह दोहरी व्यवस्था न केवल पुलिस की नजरों को भ्रमित करने के लिए बनाई गई है, बल्कि कार्रवाई से बचने की एक सोची-समझी रणनीति भी मानी जा रही है, सूरजपुर में पुलिस की सख्ती के बाद जुए का एमसीबी जिले की ओर शिफ्ट होना यह दर्शाता है कि अवैध कारोबारियों के लिए जगह बदलना आसान है, लेकिन उन्हें रोकने के लिए सिस्टम को और मजबूत बनाने की जरूरत है, यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो मनेंद्रगढ़ न केवल एमसीबी, बल्कि पूरे सरगुजा संभाग में जुए का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, अब नजरें प्रशासन और पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं क्या वे इस चुनौती का सामना कर पाएंगे, या फिर यह अवैध खेल यूं ही अपने ठिकाने बदलकर चलता रहेगा।

छोटा और बड़ा फड़: 'डिकॉय' बनाम 'रियल ऑपरेशन'

बताया जा रहा है कि छोटे जुआ फड़ को ऐसे स्थानों पर संचालित किया जाता है, जहां पुलिस की पहुंच अपेक्षाकृत आसान हो, इन फड़ों पर सीमित दांव लगते हैं और यहां की गतिविधियां इस तरह से रखी जाती हैं कि कभी भी सूचना लीक हो जाए तो पुलिस कार्रवाई कर सके, इससे पुलिस अपनी सक्रियता दिखा सकती है और यह संदेश जाता है कि जुए के खिलाफ लगातार अभियान चल रहा है, इसके विपरीत, बड़े जुआ फड़ को शहर के अंदर सुरक्षित स्थानों पर संचालित किया जाता है, यहां बड़े पैमाने पर लेन-देन होता है, और इसमें शामिल लोग आर्थिक रूप से मजबूत बताए जाते हैं, इस फड़ तक पहुंचना आसान नहीं होता, और इसकी जानकारी सीमित लोगों तक ही रखी जाती है।

हर 2-3 दिन में बदलते ठिकाने

इस पूरे नेटवर्क की सबसे अहम कड़ी है लोकेशन बदलने की रणनीति, सूत्रों के अनुसार, जुआ फड़ का स्थान हर 2 से 3 दिन में बदल दिया जाता है, ताकि पुलिस या किसी अन्य एजेंसी को स्थायी जानकारी न मिल सके, शहर के भीतर जिन स्थानों का नाम सामने आया है, उनमें बिजली कार्यालय के आसपास का क्षेत्र, मोबाइल टावर के पास, अहमद कॉलोनी, आमखेरवा बड़ा और चोकड़ा गांव शामिल हैं, वहीं, शहर के बाहरी इलाकों–खासतौर पर घुटराटोला जंगल के आसपास–छोटे जुआ फड़ संचालित होने की बात कही जा रही है, यह रणनीति इस बात की ओर इशारा करती है कि संचालक पुलिस की कार्यप्रणाली को अच्छी तरह समझ चुके हैं और उसी के अनुसार अपनी योजना बना रहे हैं।

'नो मोबाइल' नियम और हाई सिक्योरिटी सिस्टम

जुए के इस संगठित नेटवर्क में सुरक्षा और गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जुआ खेलने आने वाले सभी लोगों के मोबाइल फोन एक जगह जमा कर लिए जाते हैं,जुआ स्थल पर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होती, केवल संचालकों के मोबाइल सक्रिय रहते हैं, जुआ स्थल की सही जानकारी प्रतिभागियों को तब दी जाती है, जब वे अपने मोबाइल जमा कर देते हैं, यह व्यवस्था न केवल पुलिस की निगरानी से बचने के लिए है, बल्कि किसी भी प्रकार की रिकॉर्डिंग या सूचना लीक होने की संभावना को भी खत्म करती है, इससे स्पष्ट होता है कि यह कोई सामान्य जुआ नहीं, बल्कि पूरी तरह संगठित और पेशेवर तरीके से चलाया जा रहा अवैध कारोबार है।

संचालकों के नाम और नेटवर्क की परतें

सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे जुआ नेटवर्क के पीछे कुछ स्थानीय नाम लाला, अजीत और मोहन सामने आ रहे हैं, हालांकि इन नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन शहर में इनकी चर्चा जोरों पर है। कहा जा रहा है कि ये लोग पूरे नेटवर्क को संचालित करने में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं, इस नेटवर्क में अलग-अलग स्तर पर काम करने वाले लोग शामिल हैं सूचना देने वाले, लोकेशन तय करने वाले, सुरक्षा देखने वाले और पैसे के लेन-देन को संभालने वाले। यानी, यह एक पूरी 'टीम' के रूप में काम कर रहा है।

पुलिस की भूमिका पर उठते सवाल-इस पूरे मामले में सबसे गंभीर पहलू है

पुलिस की भूमिका को लेकर उठ रहे सवाल,स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि यदि इतना बड़ा और संगठित नेटवर्क चल रहा है, तो क्या पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है? या फिर कहीं न कहीं लापरवाही या मिलीभगत का मामला है? कुछ पुलिसकर्मियों के नाम भी चर्चा में हैं, जिनमें एक 'सुपर कॉप' कहे जाने वाले प्रधान आरक्षक और दूसरे प्रधान आरक्षक राकेश शर्मा का नाम सामने आ रहा है,बताया जाता है कि राकेश शर्मा ने अपनी 15 साल की नौकरी में लगभग 13 साल मनेंद्रगढ़ थाने में ही बिताए हैं,जिससे उनकी स्थानीय पकड़ मजबूत मानी जाती है,हालांकि,इन आरोपों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन इस तरह की चर्चाएं पुलिस विभाग की छवि पर असर डाल रही हैं।

थाना प्रभारी और साइबर सेल भी सवालों के घेरे में...

यदि यह माना जाए कि जुआ इतने संगठित तरीके से संचालित हो रहा है,तो स्थानीय थाना प्रभारी और साइबर सेल की भूमिका भी स्वतः सवालों के घेरे में आ जाती है,क्या उन्हें इस गतिविधि की जानकारी नहीं है? यदि जानकारी है, तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? या फिर यह नेटवर्क पुलिस की कार्यप्रणाली को समझकर उनसे एक कदम आगे चल रहा है? ये सवाल अब आम जनता के बीच चर्चा का विषय बन चुके हैं।

आईजी सरगुजा के लिए बढ़ती चुनौती

सरगुजा रेंज के आईजी द्वारा लगातार जुए के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, सूरजपुर में हुई सख्ती इसका उदाहरण है। लेकिन जिस तरह से यह कारोबार एक जिले से दूसरे जिले में शिफ्ट हो रहा है, उससे साफ है कि केवल स्थानीय स्तर की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, अब आवश्यकता है एक व्यापक और समन्वित अभियान की, जिसमें विभिन्न जिलों की पुलिस मिलकर इस नेटवर्क को जड़ से खत्म करने का प्रयास करे।

जुआः सामाजिक और आर्थिक खतरा

जुआ केवल एक अवैध गतिविधि नहीं है,बल्कि यह समाज के लिए कई तरह के खतरे पैदा करता है,परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है,अपराध दर में वृद्धि होती है, युवाओं में गलत प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलता है, मनेंद्रगढ़ जैसे शहर में इस तरह का संगठित जुआ नेटवर्क भविष्य में बड़ी सामाजिक समस्याओं का कारण बन सकता है।

क्या होगा आगे?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेगा? क्या उच्च अधिकारी इस पर संज्ञान लेकर जांच के आदेश देंगे? क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी या यह नेटवर्क इसी तरह चलता रहेगा?

कोर्ट के फैसले से आहत पिता हाईटेंशन टावर पर चढ़ा

दो घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित उतारा गया

बच्चों की कस्टडी मां को मिलने से दुखी युवक ने उठाया कदम,पुलिस और प्रशासन की समझाइश से टली बड़ी घटना

-संवाददाता-
चिरमिरी,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

चिरमिरी क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक युवक अदालत के फैसले से आहत होकर हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया, मामला पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रहे घरेलू विवाद से जुड़ा है, जो अंततः कुटुंब न्यायालय मनेंद्रगढ़ तक पहुंचा था, शुक्रवार को न्यायालय ने अपना फैसला सुनाते हुए दोनों बच्चों की अभिरक्षा मां को सौंपने का आदेश दिया, आदेश के पालन में युवक ने अपने दोनों बच्चों को पत्नी के हवाले कर दिया, लेकिन इस फैसले से वह मानसिक रूप से काफी आहत हो गया।

कोर्ट के आदेश के बाद बढ़ा तनाव

जानकारी के अनुसार, एमसीबी जिले के पोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम साजापहाड़ निवासी बलराम सिंह और उसकी पत्नी के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था, मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि बच्चों की प्राथमिक अभिरक्षा मां को दी जाए, प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत पुलिस और राजस्व विभाग की मौजूदगी में बच्चों को मां को सौंप दिया गया, लेकिन इसके तुरंत बाद युवक की मानसिक स्थिति बिगड़ गई और उसने एक खतरनाक कदम उठा लिया।

हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक,गांव में हड़कंप

शाम करीब 6 बजे युवक गांव के पास स्थित 132 केवी हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया, यह दृश्य देखते ही आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई, मौके पर पोड़ी थाना की टीम पहुंची और हालात को नियंत्रित करने में जुट गई, सुरक्षा के मद्देनजर तत्काल बिजली आपूर्ति भी बंद करवाई गई, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

प्रशासन की सूझबूझ से टली बड़ी घटना– घटना की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार समीर शर्मा और सीएसपी दीपिका मिंज भी मौके पर पहुंचे,करीब दो घंटे तक लगातार समझाइश और बातचीत का दौर चलता रहा। अंततः युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया,पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस, प्रशासन और स्थानीय ग्रामीणों ने संयम और सतर्कता का परिचय दिया, जिससे एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई।

क्षणिक आवेश में उठाया कदम

पुलिस के अनुसार,युवक कोर्ट के फैसले से मानसिक रूप से व्यथित था और उसी आवेश में उसने यह कदम उठाया,फिलहाल उसे समझाइश देकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है, यह घटना केवल एक पारिवारिक विवाद नहीं,बल्कि मानसिक तनाव और भावनात्मक असंतुलन का उदाहरण भी है, समय रहते पुलिस और प्रशासन की सक्रियता से एक बड़ी अनहोनी टल गई, लेकिन यह मामला इस बात की भी याद दिलाता है कि ऐसे संवेदनशील मामलों में काउंसलिंग और सहारा कितना जरूरी होता है।

मनेंद्रगढ़ की राजनीति पर प्रकाश त्रिपाठी का हमला कहा लोकतंत्र नहीं,परिवारवाद हावी

कांग्रेस संगठन पर साधा निशाना,टिकट वितरण और नियुक्तियों में पक्षपात के लगाए आरोप

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ की राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है, जहां क्षेत्र के राजनीतिक समीक्षक प्रकाश त्रिपाठी ने कांग्रेस संगठन की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला है, उन्होंने सरगुजा अंचल की राजनीति को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो चुकी है और कुछ प्रभावशाली परिवारों का वर्चस्व कायम है। त्रिपाठी ने अपने बयान में कहा कि लगातार चुनावी हार के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में टिकट वितरण की प्रक्रिया में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है, उनके अनुसार, नए और जमीनी कार्यकर्ताओं को अवसर देने के बजाय सीमित समूह के लोगों को बार-बार प्राथमिकता दी जाती रही है, जिससे संगठन के भीतर

असंतोष बढ़ता जा रहा है,उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष पद और अन्य संगठनात्मक नियुक्तियों का उदाहरण देते हुए कहा कि निर्णय प्रक्रिया लंबे समय से कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित हो गई है, त्रिपाठी का आरोप है कि जो नेता या कार्यकर्ता संगठन के भीतर सवाल उठाते हैं, उन्हें धीरे-धीरे हाशिए पर धकेल दिया जाता है,जिससे आंतरिक लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि सरगुजा क्षेत्र के कई जिलों में संगठनात्मक असंतोष लगातार बढ़ रहा है,स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ता अपनी समस्याओं को लेकर मुखर हो रहे हैं, लेकिन समाधान निकालने के बजाय नेतृत्व संरक्षण की राजनीति में उलझा हुआ दिखाई देता है, हाल के जिला स्तरीय घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी अब खुलकर सामने आने लगी है, त्रिपाठी ने सरगुजा की मौजूदा राजनीति को 'लोकतंत्र की आड़ में सामंती व्यवस्था' करार देते हुए इसे चिंताजनक बताया, उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आत्मसम्मान के साथ अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करें और संगठन के भीतर अपनी आवाज को मजबूत करें, प्रकाश त्रिपाठी के इस बयान के बाद मनेंद्रगढ़ और सरगुजा की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है, हालांकि, इस पूरे मामले पर कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है,जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर और तेज हो गया है।

किसी भी कानूनी लड़ाई में खुद को कमजोर न समझें : न्यायाधीश हिमांशु पण्डा

सूरजपुर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम,ग्रामीणों को निःशुल्क कानूनी सहायता, डिजिटल ठगी और नशा मुक्ति पर दी अहम जानकारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,26 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले में आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा ग्राम पंचायत ऊंचडीह और लोधीमा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया,यह कार्यक्रम सूरजपुर में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्राप्त की, यह आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन तथा सचिव सुश्री पायल टोपनो के निर्देशन में संपन्न हुआ,कार्यक्रम की अध्यक्षता द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी हिमांशु पण्डा ने की, कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई, जिसमें चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मण रजवाड़े, उप सरपंच मोहित रजवाड़े और सरपंच प्रदीप सिंह ने न्यायाधीश का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

निःशुल्क विधिक सहायता की दी जानकारी–कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायाधीश हिमांशु पण्डा ने ग्रामीणों को विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के प्रावधानों की सरल भाषा में जानकारी दी,उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए निःशुल्क विधिक सहायता और सलाह की व्यवस्था उपलब्ध है,लेकिन जानकारी के अभाव में कई लोग इसका लाभ नहीं उठा पाते,उन्होंने कहा कि किसी भी कानूनी समस्या के सामने खुद को कमजोर नहीं समझना चाहिए,देश के सभी न्यायालयों में विधिक सेवा संस्थाएं कार्यरत हैं,जहां जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता दी जाती है, उन्होंने बताया कि नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर भी सहायता प्राप्त की जा सकती है।

मोटर व्हीकल एक्ट और सुरक्षा नियमों पर जोर– कार्यक्रम में न्यायाधीश ने मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी, उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन बीमा अनिवार्य है और इनके अभाव में दुर्घटना की स्थिति में कानूनी कार्रवाई के साथ भारी आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है, उन्होंने हेलमेट के उपयोग और यातायात नियमों के पालन पर विशेष बल देते हुए लोगों से सुरक्षित ड्राइविंग की अपील की।

नेशनल लोक अदालत और अन्य योजनाएं– न्यायाधीश पण्डा ने आगामी नेशनल लोक अदालत (09 मई 2026) के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत के माध्यम से लंबित मामलों का त्वरित और सरल समाधान संभव है, उन्होंने मध्यस्थता प्रक्रिया, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण अधिनियम 2007, मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों के लिए विधिक सेवा योजनाएं और छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला।

डिजिटल ठगी और नशा मुक्ति पर जागरूकता– कार्यक्रम में चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल ने डिजिटल ठगी और साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों पर ग्रामीणों को जागरूक किया, उन्होंने बताया कि अनजान लिंक, APK फाइल्स और संदिग्ध कॉल्स से बचना जरूरी है, साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने की सलाह दी, उन्होंने नशा मुक्ति को लेकर भी संदेश दिया और कहा कि 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा' की सोच के साथ समाज को नशामुक्त बनाने की जरूरत है, उन्होंने नशे से होने वाली दुर्घटनाओं और सामाजिक नुकसान का उल्लेख करते हुए लोगों से इस बुराई से दूर रहने की अपील की।

कार्यक्रम में रही व्यापक भागीदारी– कार्यक्रम का संचालन पैरा लीगल वॉलंटियर सत्य नारायण ने किया। इस दौरान गांव के सरपंच, सचिव, चौकी स्टाफ, पीएलवी उमेश कुमार रजवाड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

कोरिया सीईओ का रिकॉर्ड कार्यकाल,लेकिन सुर्खियों में उपन्यास

तीन साल पूरे...विकास नहीं-'यक्षिणी' बनी चर्चा का केंद्र...

कार्यकाल की किताब नहीं,उपन्यास का विमोचन–सीईओ पर सवाल

रिकॉर्ड कार्यकाल के बीच 'यक्षिणी' लॉन्च,विकास पर बहस तेज

सीईओ का साहित्यिक अंदाज़,प्रशासनिक काम पर उठे सवाल

तीन साल की कहानी अनकही, 'यक्षिणी' का कवर हुआ जारी

उपन्यास विमोचन ने बढ़ाई चर्चा,कार्यकाल की उपलब्धियां गायब

3 साल का कार्यकाल पूरा, 'यक्षिणी' का विमोचन–उपलब्धियों से ज्यादा चर्चा में लेखक सीईओ की

कोरिया जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी की साहित्यिक पहचान बनी सुर्खी, प्रशासनिक कार्यकाल पर उठे सवाल

-राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर/कोरिया,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। जिला कोरिया में इन दिनों प्रशासनिक गलियारों से लेकर आम लोगों के बीच एक नाम चर्चा के केंद्र में है जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी, वजह सिर्फ उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा होना नहीं है, बल्कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर उनके द्वारा अपने उपन्यास 'यक्षिणी' के कवर पेज का विमोचन करना है, जहां एक ओर इस उपलब्धि को उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और साहित्यिक रुचि के रूप में सराहा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी जोर पकड़ रहा है कि क्या इस मौके पर उनके तीन साल के प्रशासनिक कार्यकाल की उपलब्धियों को भी सामने आना चाहिए था?

तीन साल का कार्यकाल: एक रिकॉर्ड,एक चर्चा

25 अप्रैल 2023 को कोरिया जिले में जिला पंचायत सीईओ के रूप में पदस्थापना के बाद आशुतोष चतुर्वेदी ने लगातार तीन वर्षों तक इस पद पर कार्य किया, यह अपने आप में एक उल्लेखनीय तथ्य है, क्योंकि जिले के इतिहास में इससे पहले कोई भी सीईओ इतना लंबा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया था, इससे पहले लंबे कार्यकाल को लेकर तुलिका प्रजापति का नाम चर्चा में रहा, लेकिन अब यह उपलब्धि आशुतोष चतुर्वेदी के नाम दर्ज हो गई है, हालांकि, प्रशासनिक सेवा में केवल कार्यकाल की अवधि ही नहीं, बल्कि उस दौरान किए गए कार्यों और उनके प्रभाव को भी समान महत्व दिया जाता है, यही कारण है कि अब यह चर्चा उठ रही है कि इस लंबे कार्यकाल के दौरान जिले को क्या मिला?

'यक्षिणी' का विमोचन: साहित्यिक पहचान का प्रदर्शन

23 अप्रैल 2026 को जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में एक निजी संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आशुतोष चतुर्वेदी ने अपने उपन्यास 'यक्षिणी' के कवर पेज का विमोचन किया, इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और साहित्यकारों की उपस्थिति रही, सोशल मीडिया पर भी उन्होंने अपने इस साहित्यिक कार्य को साझा किया, जिससे यह कार्यक्रम चर्चा का विषय बन गया, यह तथ्य निर्विवाद है कि आशुतोष चतुर्वेदी एक अच्छे लेखक हैं और उन्हें लेखन का शौक है, 'यक्षिणी' उनका एक रचनात्मक प्रयास है, जिसे साहित्य जगत में सकारात्मक नजरिए से देखा जा रहा है।

कार्यकाल की उपलब्धियां कहां हैं?

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक बड़ा सवाल उभर कर सामने आया है क्या तीन साल के कार्यकाल के बाद प्रशासनिक उपलब्धियों का कोई दस्तावेज या रिपोर्ट भी सामने आनी चाहिए थी? स्थानीय लोगों और कुछ जानकारों का मानना है कि तीन साल का कार्यकाल किसी भी अधिकारी के लिए एक महत्वपूर्ण समय होता है, इस दौरान किए गए विकास कार्यों, योजनाओं और सुधारों का लेखा-जोखा सार्वजनिक होना चाहिए, यदि इस मौके पर 'उपलब्धि रिपोर्ट' या 'विकास पुस्तिका' जारी होती, तो उसका प्रभाव ज्यादा व्यापक होता।

जमीनी हकीकत: विकास बनाम अपेक्षाएं

कोरिया जिला मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्र है, जहां पंचायत स्तर पर विकास की जिम्मेदारी काफी हद तक जिला पंचायत प्रशासन पर निर्भर करती है, तीन साल के इस कार्यकाल में कुछ योजनाएं जरूर लागू हुईं, कुछ क्षेत्रों में सुधार भी देखने को मिला, लेकिन अपेक्षित स्तर पर व्यापक बदलाव नहीं दिखा कई पंचायतों में अब भी बुनियादी सुविधाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं, सड़क, पानी और स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार के अवसर, पंचायतों की कार्यप्रणाली, इन मुद्दों पर लोगों की अपेक्षाएं पूरी तरह पूरी नहीं हो पाई–ऐसा स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय रहा।

'आरामदायक कार्यकाल' की चर्चा

कुछ लोगों का यह भी मानना है कि आशुतोष चतुर्वेदी का यह कार्यकाल अपेक्षाकृत 'स्थिर और आरामदायक' रहा, प्रशासनिक हलकों में यह धारणा भी प्रचलित है कि कोरिया जिले में लंबे समय तक टिके रहना आसान नहीं होता, क्योंकि इसे एक चुनौतीपूर्ण या 'दंडात्मक पोस्टिंग' के रूप में भी देखा जाता है, ऐसे में तीन साल तक लगातार पदस्थ रहना कई सवाल खड़े करता है क्या यह उनकी कार्यशैली का परिणाम था? या फिर इसके पीछे अन्य प्रशासनिक कारण थे?

गायब सूची का रहस्य

सूत्रों के अनुसार,जिला पंचायत सीईओ के कार्यकाल से जुड़ी सुचना पटल कार्यालय से गायब होने की चर्चा भी सामने आई है,यह सुचना पटल सूची क्यों गायब हुई? कहां गई? क्या इसमें कोई महत्वपूर्ण जानकारी थी? ये सभी सवाल फिलहाल अनुत्तरित हैं और आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि भी नहीं हुई है,लेकिन यह मुद्दा चर्चा में बना हुआ है।

इनसाइड और आउटसाइड इमेज

आशुतोष चतुर्वेदी की छवि दो अलग-अलग पहलुओं में देखी जा रही है:

1. एक लेखक के रूप में:

- संवेदनशील और रचनात्मक व्यक्तित्व
- साहित्य में रुचि और योगदान
- 'यक्षिणी' जैसे उपन्यास का सृजन

2. एक प्रशासक के रूप में:

- लंबा कार्यकाल
- मिश्रित प्रतिक्रिया
- उपलब्धियों पर सवाल

यही द्वंद्व इस पूरे मामले को और रोचक बनाता है।

व्यक्तिगत जीवन की झलक

अपने कार्यकाल के दौरान आशुतोष चतुर्वेदी ने अपने निजी जीवन में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया, वे विवाह बंधन में बंधे और उनका रिश्ता कोरिया जिले के ही एक परिवार से जुड़ा, इससे उनका स्थानीय जुड़ाव और भी मजबूत हुआ, जिसे कई लोग सकारात्मक रूप में देखते हैं।

'यक्षिणी' को लेकर जिज्ञासा

उपन्यास 'यक्षिणी' को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है, क्या यह पौराणिक कथा पर आधारित है? या यह सामाजिक-यथार्थ को दर्शाने वाला उपन्यास है? क्या इसमें प्रशासनिक अनुभवों की झलक मिलेगी? फिलहाल केवल कवर पेज लॉन्च हुआ है, पूरी पुस्तक के विमोचन का इंतजार किया जा रहा है।

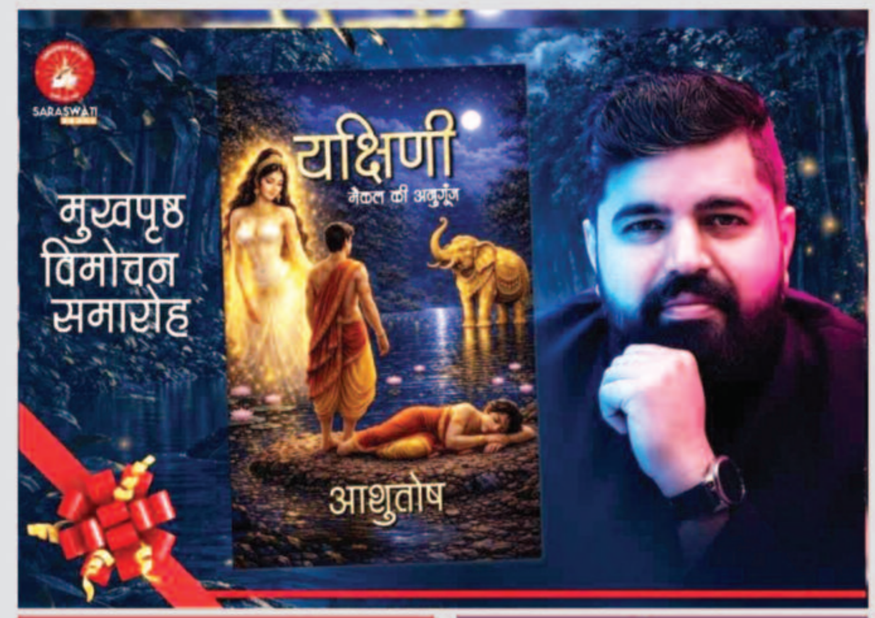

क्या छूट गया इस मौके पर?

इस पूरे घटनाक्रम में जो बात सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह यह है कि यदि इसी मंच से तीन साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का भी प्रस्तुतीकरण होता, तो यह कार्यक्रम और प्रभावशाली हो सकता था, संभावनाएं थीं कि: एक 'डॉक्यूमेंट्री रिपोर्ट' जारी होती, पंचायतों के विकास कार्यों का विवरण सामने आता, भविष्य की योजनाओं की रूपरेखा रखी जाती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिससे यह बहस और तेज हो गई।

जिले के लिए संदेश क्या?

यह पूरा मामला केवल एक व्यक्ति या एक उपन्यास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक जवाबदेही और प्राथमिकताओं पर भी सवाल खड़े करता है, क्या एक अधिकारी को अपने कार्यकाल के अंत में अपनी उपलब्धियों को सामने रखना चाहिए? या अपनी व्यक्तिगत रुचियों को प्राथमिकता देना गलत नहीं है? यह बहस अब जिले में खुलकर हो रही है।

उपलब्धि बनाम प्राथमिकता-

आशुतोष चतुर्वेदी का 'यक्षिणी' उपन्यास उनकी रचनात्मक क्षमता का प्रमाण है और इसे नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जिस समय यह विमोचन हुआ,उसी समय उनके तीन साल के कार्यकाल की समीक्षा भी स्वाभाविक रूप से चर्चा में आ गई, एक ओर लेखक की सफलता है, तो दूसरी ओर प्रशासक की जवाबदेही, अब देखना यह होगा कि क्या उनके कार्यकाल की उपलब्धियों को भी आधिकारिक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा? क्या 'यक्षिणी' के साथ-साथ उनके प्रशासनिक अनुभवों की कहानी भी सामने आएगी? फिलहाल, कोरिया जिले में यह मुद्दा चर्चा, बहस और विश्लेषण का केंद्र बना हुआ है—जहां एक उपन्यास ने प्रशासनिक कार्यकाल पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूरिया खाद का वैकल्पिक खाद के रूप में हरी खाद का किया जा सकता है उपयोग

-संवाददाता-

जशपुरनगर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। जिले में हरी खाद को बढ़ावा देने के लिए सभी विकास खण्ड में इस वर्ष 600 हेक्टेयर में प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। विभाग द्वारा किसान भाइयों से कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क कर हरी खाद का उपयोग कर धरती माता को चिरस्थाई, दीर्घायु बनाने हेतु अपील किया गया है।

हरी खाद

विशिष्ट फसलों को खेत में जोतकर मिट्टी में दबाकर लगाया जाता है। तब उससे हरी खाद बनता है। हरि खाद वाली फसलें मे ढेंचा, सनई मुंग, उड़द, बरसीम शामिल हैं। इस खाद का उपयोग बुआई से पहले रात भर बीज को भिगो देना होता है। मार्च अप्रैल में बुवाई कर, बुआई के 40-50 दिन बाद, ट्रेक्टर हल से जुताई करके में मिलाना होता है। 2-3 हफ्ते बाद मुख्य फसल बोना होता है।

हरी खाद के फायदे : मिट्टी में नाइट्रोजन पोटाष और कई पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है। जैविक पदार्थ बढ़ता है। मिट्टी की जल धारण क्षमता सुधारती है। मिट्टी को भूरभूरी और उपजाऊ बनाती है। जैविक पदार्थ बढ़ता है। रासायनिक खाद की जरूरत कम करती है। इसके लिए बहुत ज्यादा पकी (कठोर) फसल को न जोतना होता है। खेत में नमीं होना जरूरी है। जुताई के बाद 15-20 दिन तक सड़ने देना है। एक एकड़ में 10-12 किलो पर्याप्त है। खराब जमीन पर 20 कि.ग्रा. तक डाल सकते है।

राष्ट्रीय मंच पर चमके कोरिया के शिक्षक रिपचंद साहू,'शिक्षा रत्न' सम्मान से नवाजे गए

नवाचारी शिक्षण पद्धति और छात्र-केंद्रित प्रयासों को मिला राष्ट्रीय सम्मान,जिले में खुशी की लहर

-संवाददाता-

सोनहत/कोरिया,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। जिला कोरिया के लिए यह गर्व का क्षण है कि विकासखंड सोनहत के शासकीय प्राथमिक शाला अकलासरई में पदस्थ सहायक शिक्षक रिपचंद साहू को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्प्रवाह 2025-26' से सम्मानित किया गया है, इस उपलब्धि ने न केवल उनके विद्यालय, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है, यह सम्मान उन्हें शासकीय विद्यालय में नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण एवं रोचक शिक्षण कार्य करने के लिए प्रदान किया गया। श्री साहू ने अपनी कक्षा में पारंपरिक शिक्षा पद्धति से हटकर छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया, जिससे बच्चों की सीखने की रुचि और सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

रिपचंद साहू की यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि यदि समर्पण और नवाचार के साथ कार्य किया जाए, तो सरकारी विद्यालयों में भी उत्कृष्ट शिक्षा दी जा सकती है, उनका यह सम्मान अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

नवाचार से बदली कक्षा की तस्वीर- रिपचंद साहू द्वारा किए गए नवाचारों ने शिक्षण को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे व्यवहारिक और रोचक बनाया, खेल-आधारित शिक्षण, गतिविधि आधारित अभ्यास, स्थानीय संसाधनों का उपयोग, बच्चों की सहभागिता पर विशेष जोर, इन तरीकों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है, यही कारण है कि उनका कार्य राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप कार्य- श्री साहू का शिक्षण कार्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, जिसमें बच्चों की रचनात्मकता, समझ और व्यावहारिक ज्ञान को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने इस नीति को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू कर दिखाया है।

रायपुर में आयोजित हुआ राष्ट्रीय कार्यक्रम- यह सम्मान नवाचारी गतिविधियाँ समूह, भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रदान किया गया, जो रायपुर स्थित स्वामी आत्मानंद प्रो. जे.एन. पांडेय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्च माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुआ, इस कार्यक्रम में देशभर से आए शिक्षकों ने अपने-अपने नवाचार प्रस्तुत किए, जहां श्री रिपचंद साहू के कार्य को विशेष रूप से सराहा गया।

जिले में खुशी और गर्व का माहौल- इस उपलब्धि की खबर मिलते ही कोरिया जिले में खुशी की लहर दौड़ गई, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने श्री साहू को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है, यह सम्मान न केवल एक शिक्षक की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह जिले में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक प्रयासों की भी राष्ट्रीय पहचान है।

आग से धधक उठा 'कैलाशपुर-घुघरा का जंगल', खाक हुई करौंदे की खुशबू...वन विभाग की सुस्ती पर सुलगते सवाल

मुख्य सड़क किनारे के जंगल नही बचा पा रहा विभाग तो दुरस्त अंचल के जंगल कैसे होगी सुरक्षा?

राजन पाण्डेय

सोनहत/बैकुंठपुर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। विकास की अंधी दौड़ और प्रशासनिक लापरवाही ने अब प्रकृति के फेफड़ों पर भी हमला करना शुरू कर दिया है, सोनहत-बैकुंठपुर मुख्य मार्ग पर स्थित कैलाशपुर-घुघरा का जंगल पिछले दिनों भीषण आग की चपेट में आ गया। धधकती लपटों ने न केवल बेशकीमती वन संपदा को राख कर दिया, बल्कि राहगीरों के सफर को महकाने वाली उस प्राकृतिक विरासत को भी उजाड़ दिया, जो इस मार्ग की पहचान थी।

भीनी खुशबू की जगह अब धुएं का गुबार

कभी इस मार्ग से गुजरते वक्त राहगीरों का स्वागत 'करौंदे के फूलों' की भीनी-भीनी खुशबू किया करती थी, हरे-भरे करौंदे के कुंज न केवल आँखों को सुकून देते थे, बल्कि पर्यावरण को भी जीवंत रखते थे। लेकिन आज मंजर बदल चुका है, आग की विभीषिका ने उन तमाम हरे-भरे पेड़ों को जलाकर काला कर दिया है, अब वहां खुशबू की जगह धुएं का कड़वा अहसास और हरियाली की जगह राख का सन्नाटा पसरा है, जंगल अब किसी वीराने की तरह उजाड़ नजर आने लगा है।

वन विभाग की मुस्तैदी पर 'सुलगते' सवाल

यह आग महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि वन विभाग की कार्यशैली पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है। सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि जब विभाग मुख्य मार्ग के किनारे स्थित जंगल को आग से नहीं बचा पा रहा, तो घने और दूरस्थ अंचलों के जंगलों की सुरक्षा कैसे होगी? क्या फायर वॉचर्स और वन अमला केवल कागजों पर ही मुस्तैद है? मुख्य सड़क पर लगी आग को बुझाने में हुई देरी यह बताने के लिए काफी है कि वनों को बचाने के लिए किए जाने वाले तमाम दावे 'हवा-हवाई' हैं।

बेजुबानों का आशियाना और जैव-विविधता का नुकसान

जंगल की इस आग ने केवल पेड़ों को ही नहीं जलाया, बल्कि उन अनगिनत पक्षियों और नन्हे जीवों के आशियानों को भी राख कर दिया, जो इन करौंदे की झाड़ियों और पेड़ों पर पल रहे थे। वन विभाग द्वारा समय रहते फायर लाइन की सफाई न करना और निगरानी में ढिलाई बरतने का खामियाजा आज पूरी प्रकृति भुगत रही है।

ग्रामीणों और राहगीरों में भारी नाराजगी

कैलाशपुर क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि आग धीरे-धीरे फैली, लेकिन वन विभाग की टीम समय पर सक्रिय नहीं हुई। यदि समय रहते सुध ली जाती, तो जंगल को इस कदर उजाड़ होने से बचाया जा सकता था, अब जब जंगल का एक बड़ा हिस्सा खाक हो चुका है, तब विभाग की चुप्पी लोगों को और भी अखर रही है।

मुख्य बिंदु...

- **उजाड़ मंजर:** मुख्य मार्ग की खूबसूरती हुई खत्म, अब सिर्फ जली हुई लकड़ियां शेष।
- **लापरवाही:** मुख्य सड़क के पास की आग नहीं बुझना विभाग की विफलता।
- **पारिस्थितिकीय क्षति :** करौंदे के पेड़ों के साथ-साथ कई छोटे पौधे और वन्यजीव प्रभावित।

धर्मांतरण में 95 करोड़ की अवैध विदेशी फंडिंग नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

धर्म स्वतंत्र अधिनियम 2026 की जरूरत साबित : संतोष दास

-संवाददाता-

अंबिकापुर,26 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। धर्मांतरण से जुड़े कथित 95 करोड़ रुपये की अवैध विदेशी फंडिंग नेटवर्क का ईडी द्वारा खुलासा किए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस मामले को लेकर एक न्यूज चैनल द्वारा आयोजित डिबेट में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पैनलिस्ट श्री संतोष दास ने इसे बड़ी कार्रवाई बताते हुए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पारित धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026 की आवश्यकता को रेखांकित किया। श्री दास ने कहा कि ईडी की यह कार्रवाई साबित करती है कि राज्य में धर्मांतरण जैसी गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए सख्त

कानून जरूरी था। उन्होंने कहा कि अवैध विदेशी फंडिंग के माध्यम से समाज में अस्थिरता फैलाने और धार्मिक प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों पर रोक लगाने के लिए धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने केंद्र सरकार की एजेंसियों की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नेटवर्क पर कड़ी निगरानी और सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहनी चाहिए।

श्रीदेवी ने 29 साल पहले रिजेक्ट कर दी थी ये ब्लॉकबस्टर फिल्म,जिससे चमका था माधुरी दीक्षित का करियर

29 साल पहले श्रीदेवी ने इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म को ठुकरा दिया था जिसके बाद इसमें माधुरी दीक्षित को लिया गया था। श्रीदेवी को भारतीय सिनेमा की पहली सुपरस्टार के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार रोल निभाए, लेकिन कई ऐसे रोल भी थे जिनमें दर्शक उन्हें देख सकते थे लेकिन एक्ट्रेस ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया था। इनमें से एक फिल्म थी 29 साल पहले रिलीज हुई दिल तो पागल है।

श्रीदेवी क्यों नहीं करना चाहती थीं ये फिल्म?

यह फिल्म 1997 में रिलीज हुई और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। वहीं यह भारतीय सिनेमा की ब्लॉकबस्टर म्यूजिकल रोमांटिक फिल्मों में से एक है। श्रीदेवी ने इस फिल्म को ये कहकर रिजेक्ट कर दिया था कि वे उस समय एक जैसे किरदार निभाना नहीं चाहती थीं।

माधुरी दीक्षित को ऑफर हुआ रोल

श्रीदेवी के रिजेक्ट करने के बाद दिल तो पागल है माधुरी दीक्षित को ऑफर हुआ और यह उनके करियर की सबसे सफल फिल्मों में शामिल हुई। 1997 में रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ करिश्मा कपूर,शाह रुख खान,अक्षय कुमार जैसे कलाकारों ने काम किया था।

कई हीरोइनों ने माधुरी के डर से रिजेक्ट किया करिश्मा वाला रोल

यह भी एक दिलचस्प फैक्ट है कि करिश्मा कपूर से पहले उनका वाला रोल 6 हीरोइनों को ऑफर हुआ था। लेकिन वे माधुरी के सामने डांस करने से डर रही थीं इसीलिए उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया। इसके बाद करिश्मा ने इसके लिए हां कर दी।

दिल तो पागल है के बारे में

दिल तो पागल है भारतीय हिंदी-भाषा की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म है, जिसे यश चोपड़ा ने लिखा, निर्देशित और निर्मित किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित, करिश्मा कपूर और अक्षय कुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म एक म्यूजिकल ग्रुप के सदस्यों की प्रेम कहानियों पर आधारित है, जिसमें दो डांसर (दीक्षित और कपूर) अपने कोरियोग्राफर (खान) के साथ एक लव ट्रायंगल में उलझ जाती हैं।

माईसा के लिए रश्मिका का एक्शन अवतार... आदिवासी रोल के साथ एक नई चुनौती

रश्मिका मंदाना,जिन्होंने कन्नड़ ब्यूटी के तौर पर अपना फिल्मी सफ़र शुरू किया था,तेलुगु ऑडियंस से फ़ल्मि चलो से मिलीं और अपनी पहली ही फिल्म से उन्हें पहचान मिली। बाद में,उन्होंने गीता गोविंदम और सरिलरु नीकेवरु जैसी हिट फिल्मों से अपना रुतबा और बढ़ाया। उन्होंने फिल्म पुष्पा में श्रीवल्ली का रोल निभाकर पूरे देश में फ़ैन बनाए। बाद में कई बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ आगे बढ़ीं रश्मिका,बॉक्स ऑफ़िस पर बड़ी सफलताएँ हासिल करके कम समय में ही टॉप हीरोइन बन गईं। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ़ में भी एक नया चैप्टर शुरू किया है और विजय देवरकोंडा से शादी के बाद भी फिल्मों में बिज़ी हैं। फ़िलहाल,एक तरफ़ वह पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म राणा बाली में एक्टिंग कर रही हैं, तो दूसरी तरफ़,वह लेडी-ओरिएंटेड फिल्म माईसा में एक अहम रोल निभा रही हैं। इस फिल्म में, रश्मिका बिल्कुल अलग ट्राइबल लड़की के रोल में नज़र आने वाली हैं। खास बात यह है कि इस रोल के लिए उन्होंने खास ट्रेनिंग ली है। रवींद्र पुले के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म ज़्यादातर एक्शन से भरपूर है। फिल्म की टीम इस बात का खास ध्यान रख रही है कि फिल्म में फाइट सीन ज़्यादा से ज़्यादा नेचुरल और थ्रिलिंग हों। इसके लिए विदेश में ट्रेनिंग ले चुकी रश्मिका ने मार्शल आर्ट्स में भी महारत हासिल की है। फिलहाल,फिल्म के खास एक्शन सीन केरल के जंगलों में शूट किए जा रहे हैं। यह बहुत बड़ा शेड्यूल मशहूर एक्शन एक्सपर्ट्स की देखरेख में करीब 15 दिनों तक चलेगा। खबर है कि फिल्म में रश्मिका रफ एंड टफ लुक में दिखेंगी। कुल मिलाकर, अब तक अपने ग्लैमरस और रोमांटिक रोल्स से इंप्रेस करने वाली रश्मिका माईसा के ज़रिए फुल-फ्लेज्ड एक्शन रोल में इंप्रेस करने के लिए तैयार हो रही हैं। इस फिल्म के शूटिंग अपडेट्स से दर्शकों में काफी उम्मीदें जगी हैं। भविष्य में और भी अलग कहानियों से दर्शकों का मनोरंजन करने की तैयारी कर रही रश्मिका जल्द ही एक और नए प्रोजेक्ट की घोषणा भी कर सकती हैं।

गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी की बैंकॉक यात्रा

जब काम, जिंदगी और परिवार के साथ अच्छे समय को बैलेंस करने की बात आती है,तो गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी इस कला में माहिर लगते हैं, और उनका हालिया बैंकॉक गेटअवे इसका सबूत है। यह सेलिब्रिटी कपल अपने छोटे बच्चों के साथ थाईलैंड में एक तरोताज़ा करने वाली छुट्टी पर गया,जिससे उनकी छुट्टी आराम, रोमांस और परिवार के साथ अच्छे पलों का एक खूबसूरत मेल बन गई। पूल के किनारे आराम करने से लेकर शहर के शानदार नज़ारों का मज़ा लेने तक, उनकी ट्रिप में गर्मियों में घूमने के सभी एलिमेंट थे। बैंकॉक के मशहूर लेबुआ होटल्स एंड रिसॉर्ट्स में उनके ठहरने ने इस अनुभव में लग्ज़री का एक और लेवल जोड़ दिया। अपने शानदार स्काईलाइन व्यू और शानदार चार्म के लिए मशहूर, इस प्रॉपर्टी ने शांत समय और यादगार पलों,दोनों के लिए माहौल बनाया। दिलचस्प बात यह है कि होटल ने द हैंगओवर पार्ट सेकण्ड की शूटिंग के लिए एक खास लोकेशन के तौर पर भी दुनिया भर में नाम कमाया, जिससे इसकी लग्ज़री अपील में पॉप-कल्चर का तड़का भी जुड़ गया। छुट्टियों को खूबसूरती से डिज़ाइन करने के लिए जानी जाने वाली एक लग्ज़री ट्रैवल कंपनी, जर्नीलेबल ने सोच-समझकर छुट्टियों की योजना बनाई, इस ट्रिप में मौज-मस्ती और आसानी का मेल था। चाहे अपनी बेटियों के साथ पूल में आराम करना हो या चमकते शहर के नज़ारे को देखते हुए शांति से कपल टाइम बिताना हो, उनकी छुट्टियों की हर तस्वीर में सहजता और खूबसूरती झलकती थी।

ये जवानी है दीवानी का बनने वाला है सीक्वल? साथ दिखे रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म रामायण को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में रणबीर प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाते दिखाई देंगे, जिसके चलते उनके फैंस खासे उत्साहित हैं। रामायण से रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। इस बीच रणबीर कपूर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आते ही ये जवानी है दीवानी 2 के चर्चे तेज हो गए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने जैसे ही दोनों स्टार्स को साथ देखा, सवाल करना शुरू कर दिया कि क्या ये जवानी है दीवानी का सीक्वल आने वाला है?

रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर की मुलाकात से ये जवानी है दीवानी की यादें ताजा हो गईं

वायरल वीडियो में रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर मुंबई में आयोजित एक इवेंट में पहुंचते और फैंस का अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। रणबीर कपूर ने हल्के नीले रंग की फुल स्लीव ब्लू शर्ट पहनी थी और इसे ब्लैक कलर की पैंट और स्टाइलिश सनग्लासेस के साथ पेयर किया था। वहीं आदित्य काले रंग के कपड़ों में नजर आए। वीडियो जैसे ही शेयर किया गया, इसने फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया।

वीडियो पर यूजर्स के रिएक्शन

वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट किया, इन्हें साथ देखकर बहुत खुशी हुई। दूसरे ने पूछा,ये जवानी है दीवानी 2 बन रही है क्या? एक कमेंट में लिखा था, ओह माय गॉड, प्लीज ये जवानी है दीवानी पार्ट 2 बनाइए। यह वीडियो पैपराजी अकाउंट विरल भयानी ने शेयर किया था, जिसने रणबीर और आदित्य रॉय कपूर के फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। बता दें, 2013 में रिलीज हुई ये जवानी है दीवानी में रणबीर कपूर ने कबीर उर्फ बन्नी और आदित्य रॉय कपूर ने अविनाश का किरदार निभाया था। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इन दोनों के साथ दीपिका पादुकोण और कल्कि कोचलिन भी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं।

रणबीर कपूर और आदित्य राय कपूर के हालिया प्रोजेक्ट

वर्क फ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म दिवाली 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जबकि इसका दूसरा भाग दिवाली 2027 को रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में साई पल्लवी सीता, यश रावण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में हैं। वहीं,आदित्य राय कपूर को आखिरी बार अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो इन दिनो में देखा गया था, जिसमें अनुपम खेर, सारा अली खान, नीना गुप्ता, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा सेन शर्मा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में थे।

करोड़पति बन गई गोविंदा की रितु

एक्टिंग छोड़ किया बिजनेस,10 साल तक रही थीं गायब

90 के दशक में एक ऐसी अभिनेत्री ने अपना जलवा बिखेरा था,जो अपने खूबसूरती और एक्टिंग से माधुरी दीक्षित और श्रीदेवी को भी टक्कर देती थी। हर फिल्मकार का सपना होता है कि उसकी वह सिनेमा जगत में जल्द से जल्द डेब्यू करे और अगर उसकी पहली फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाए, तो वह वाकई सोने पर सुहागा वाला मामला बैठता है।ऐसी ही अभिनेत्री 90 के दशक में आई, जो अपनी बेबाक खूबसूरती और कमाल की अदाकारी के बदलते श्रीदेवी और माधुरी दीक्षित जैसी लेडी सुपरस्टार्स पर भारी पड़ती थीं। धमाकेदार आगाज के बाद गुमनामी के साये में खोने वालीं उस हसीना का नाम रितु शिवपुरी है,जो एक्टिंग छोड़ आज बिजनेस की दुनिया में नाम कमा रही हैं और करोड़ों की मालिक बन गई हैं।

करोड़पति बनीं रितु शिवपुरी

90 की लोकप्रिय अदाकाराओं में शुमार रहने वालीं रितु शिवपुरी ने एक्टिंग करियर को उस वक्त विराम दे दिया था, जब उनकी फिल्में चलना बंद हो गए हैं। अपनी मुश्किल स्थिति को समझते हुए, रितु सिनेमा से दूरी बनाई और शादी करके घर बसाने का फैसला किया। उन्होंने साल 2006 में हरि वेंकट से शादी की, जोकि एक बिजनेसमैन हैं और ग्लैमर की दुनिया से दूर रहते हैं। सादगी भरी जिंदगी जीना पसंद करते हैं। रितु ने भी उनका साथ दिया और बॉलीवुड से लगभग गायब ही हो गई। शादी के बाद रितु के दो बच्चे हुए, जिनमें- बेटी समारा और बेटे रोहैल के नाम शामिल हैं। एक्टिंग से नाता तोड़ने के बाद, रितु शिवपुरी ने ज्वेलरी डिजाइन का बिजनेस शुरू किया। इस कारोबार ने उनकी किस्मत चमका दी और उन्हें सफलता भी मिली। मौजूदा समय में रितु करोड़ों की मालिक हैं और पति के बिजनेस के साथ-साथ अपने कारोबार को भी उड़ान दे रही हैं।

इस मूवी से किया था डेब्यू

दरअसल रितु शिवपुरी ने अभिनेता गोविंदा की लोकप्रिय फिल्म आंखें (1993) से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। इस मूवी में रितु ने रितु नाम का ही किरदार अदा किया था। पहली फिल्म हिट होने के बाद वह सिनेमा जगत में रातोंरात स्टार बन गई। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज क्लास जैसे कई ओटीटी प्रोजेक्ट में बतौर एक्ट्रेस रितु नजर आ चुकी हैं।

खेल समाचार

संजू सैमसन ने रचा इतिहास

चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 11 रनों की पारी के दौरान आईपीएल में अपने 5000 रन पूरे किए...वह सबसे कम गेंदों में इस आंकड़े तक पहुंचने वाले तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं...

चेन्नई,26 अप्रैल 2026। चेपॉक स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में भले ही चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन का बल्ला ज्यादा नहीं चला,लेकिन उन्होंने आईपीएल इतिहास का एक बहुत बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है। संजू सैमसन अब आईपीएल में 5000 रन पूरे करने वाले चुनिंदा दिग्गजों की फेहरिस्त में शामिल हो गए हैं।

गुजरात के खिलाफ हासिल किया ऐतिहासिक मुकाम

आईपीएल 2026 के इस महत्वपूर्ण मैच में संजू सैमसन से एक बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह महज 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि, इन 11 रनों की छोटी पारी के दौरान जैसे ही उन्होंने अपना व्यक्तिगत स्कोर आगे बढ़ाया, उन्होंने आईपीएल करियर के 5000 रन पूरे कर लिए। संजू सैमसन ने अपनी क्लास और आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर पिछले कुछ सीजन में लगातार रन बनाए हैं और आज वह इस जादुई आंकड़े तक पहुंच गए हैं।

संजू ने 3555 गेंदों में पूरे किए 5000 रन

संजू सैमसन की सबसे बड़ी खासियत उनका स्ट्राइक रेट रहा है और यही कारण है कि वह सबसे कम गेंदों पर 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सैमसन ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए केवल 3555 गेंदों का सामना किया। इस मामले में उन्होंने सुरेश रैना, केएल राहुल और एमएस धोनी जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। इस लिस्ट में साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स (3288 गेंद) पहले और डेविड वॉर्नर (3554 गेंद) दूसरे स्थान पर हैं। सैमसन और वॉर्नर के बीच महज एक गेंद का अंतर रहा।

दिग्गजों को छोड़ा पीछे

संजू सैमसन ने जिस रफ्तार से ये रन बनाए हैं, वह उनकी प्रतिभा को दर्शाता है। उन्होंने मिस्टर आईपीएल कहे जाने वाले सुरेश रैना को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 3620 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके अलावा, केएल राहुल (3688 गेंद) और एमएस धोनी (3691 गेंद) भी इस लिस्ट में संजू से पीछे हैं। संजू की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि वह न केवल रन बनाते हैं, बल्कि टीम की जरूरत के हिसाब से तेजी से रन बनाने की काबिलियत भी रखते हैं।

बैडमिंटन में बड़ा बदलाव

2027 से लागू होगा 15×3 नया स्कोरिंग सिस्टम

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2026। बैडमिंटन के खेल में बड़ा बदलाव करते हुए बैडमिंटन विश्व महासंघ ने नई स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दे दी है। अब मैच 21म3 की जगह 15म3 फॉर्मेट में खेले जाएंगे, यानी हर गेम 15 अंकों तक होगा। इस प्रस्ताव को डेनमार्क के होर्सेन्स में आयोजित वार्षिक आम बैठक में 198-43 के बड़े अंतर से पारित किया गया। नया नियम 4 जनवरी 2027 से लागू होगा।बीडब्ल्यूएफ का मानना है कि इस बदलाव से मैच अधिक तेज और रोमांचक होंगे, क्योंकि कम अंकों में ही दबाव की स्थिति जल्दी बन जाएगी। मौजूदा 21 अंकों का सिस्टम 2006 से लागू है, लेकिन इसमें मैच की अवधि 45 से 100 मिनट तक पहुंच जाती थी, जिससे प्रसारण समय प्रभावित होता था।संघ की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने इस फैसले को खेल के भविष्य के लिए अहम कदम बताया। उनके अनुसार, नया फॉर्मेट खिलाड़ियों के प्रदर्शन, फिटनेस और रिकवरी के लिए भी बेहतर साबित होगा। नए नियमों के तहत मिड-गेम ब्रेक अब 11वें की बजाय 8वें अंक पर मिलेगा, जबकि गेम के बीच का ब्रेक 120 सेकेंड का होगा। जीत के लिए खिलाड़ी को 15 अंक के साथ कम से कम दो अंकों की बढ़त बनानी होगी और अधिकतम स्कोर सीमा 21-20 तय की गई है।

गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराया

चेन्नई,26 अप्रैल 2026। आईपीएल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। मैच में गुजरात के बल्लेबाज साई सुदर्शन और जोस बटलर की शानदार साझेदारी ने टीम को आसान जीत दिलाई। साई सुदर्शन की आक्रामक बल्लेबाजी के सामने चेन्नई के गेंदबाज बेबस नजर आए। मैच में चेन्नई के गेंदबाज गुरजपनीत सिंह, नूर अहमद और अन्य गेंदबाजों ने कोशिश की, लेकिन गुजरात के बल्लेबाजों ने लगातार रन बनाकर दबाव बनाए रखा। गुरजपनीत सिंह की गेंदों पर साई सुदर्शन ने कई आकर्षक शॉट लगाए, जिसमें एक छक्का डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से खेला गया।

वहीं ऑफ-स्पीड गेंदों पर भी उन्होंने रन निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पारी के दौरान साई सुदर्शन ने कई बेहतरीन शॉट खेले और तेजी से रन बटोरे। 15वें ओवर में गुरजपनीत सिंह की गेंद पर उन्होंने शानदार छक्का लगाया, जबकि अगली गेंदों पर भी उन्होंने स्ट्राइक रोटेट कर स्कोर को आगे बढ़ाया। जोस बटलर ने भी उनका अच्छा साथ दिया और दोनों के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी देखने को मिली। 14वें ओवर में नूर अहमद की गेंदबाजी पर भी साई सुदर्शन ने दो छक्के लगाए, जिससे गुजरात की पारी और मजबूत हो गई। नूर अहमद की एक गेंद पर उन्हें जीवनदान मिला, जिसका फायदा उठाते हुए उन्होंने तेजी से रन बनाए। जोस बटलर ने भी अपनी भूमिका निभाते हुए चौके और सिंगल्स से स्कोर को आगे बढ़ाया।

अरशाद खान ने अहम ओवर में शिवम दुबे को 22 रन पर आउट किया

चेन्नई,26 अप्रैल 2026। इंडियन प्रीमियर लीग के इस रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज अरशाद खान ने चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज शिवम दुबे का विकेट लेकर टीम को बड़ी राहत दिलाई। इस मैच में दुबे सिर्फ 22 रन ही बना सके और 17 गेंदों का सामना किया। उन्होंने इस दौरान 4 चौके और 1 छक्का लगाया। खेल के उस मोड़ पर दुबे के विकेट ने मैच की दिशा बदलने की पूरी संभावना बना दी थी। दुबे अपने अंदाज़ में तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और आखिरी ओवरों में उनकी बल्लेबाज़ी टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती थी। लेकिन अरशद खान ने अपनी कड़ी मेहनत और सूझबूझ से इस खतरनाक बल्लेबाज को आउट कर दिया।

मैड्रिड ओपन में गॉफ की जीत

मैड्रिड,26 अप्रैल 2026। मैड्रिड में चल रहे मैड्रिड ओपन के दौरान अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने पेट के वायरस से जूझते हुए भी शानदार प्रदर्शन किया और राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह पक्की कर ली। रविवार को खेले गए मुकाबले में गॉफ ने रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया को कड़े मुकाबले में 4-6, 7-5, 6-1 से हराया। टूर्नामेंट के दौरान कई खिलाड़ियों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आई हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि ड्रॉ में पेट के वायरस का असर देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में कोको गॉफ भी इस समस्या से प्रभावित हुईं, लेकिन उन्होंने अपने खेल पर इसका असर नहीं पड़ने दिया और मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की।

मैच की शुरुआत में सिर्स्टिया ने बेहतर खेल दिखाया और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। गॉफ शुरुआत में थोड़ी असहज नजर आईं, जिसका कारण उनकी स्वास्थ्य स्थिति भी मानी जा रही है। हालांकि, दूसरे सेट में उन्होंने अपने खेल में सुधार किया और मुकाबले को संतुलन में लाने के लिए जोरदार प्रयास किए। दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन निर्णायक क्षणों में गॉफ ने संयम बनाए रखा और 7-5 से सेट जीतकर मैच को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद तीसरे सेट में गॉफ पूरी तरह हावी हो गईं और उन्होंने 6-1 से आसानी से सेट जीतते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। गॉफ की इस जीत को उनके जज्बे और मानसिक मजबूती का उदाहरण माना जा रहा है। बीमारी के बावजूद कोर्ट पर उतरकर जीत दर्ज करना उनके आत्मविश्वास और फिटनेस स्तर को दर्शाता है। मैच के दौरान उन्होंने अपनी रणनीति में बदलाव किया और धीरे-धीरे खेल पर पकड़ मजबूत की। टूर्नामेंट में वायरस के फैलने की खबरों ने खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, इसके बावजूद मुकाबले निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी हैं और खिलाड़ी अपनी तैयारी के साथ मैदान में उतर रहे हैं।

CMYK

'मन की बात' में छत्तीसगढ़ का निरंतर जिक्र गौरव की बात : सीएम साय

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण प्रयासों की सराहना कर बढ़ाया प्रदेश का मान : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,26 अप्रैल 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का लगातार जिक्र होना न केवल राज्य की पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेशवासियों के मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान करता है। मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर के भाटागांव स्थित विनायक सिटी में विशाल जनसमूह के साथ 'मन की बात' की 133वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'मन की बात' आज देश के जनमानस को जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसके जरिए देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचार, जनभागीदारी और जमीनी स्तर के उत्कृष्ट प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देशवासियों से

संवाद करते हुए न केवल प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाते हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस संवाद के माध्यम से लोगों में सहभागिता की भावना मजबूत होती है और राष्ट्र निर्माण की दिशा में सामूहिक प्रयासों को नई ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में काले हिरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेख होना राज्य के लिए विशेष सम्मान का विषय है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता मजबूत है। साथ ही, यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर विशेष श्रेणी में शामिल किए जाने के बाद इसके उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं की आय में सकारात्मक बदलाव आया है।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा पवन ऊर्जा की आवश्यकता और संभावनाओं पर दिए गए विशेष जोर का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इस दिशा में निरंतर और ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने एक अनूठी पहल करते हुए उपस्थित जनसमूह के साथ घर से लाए गए छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को साझा कर साथ में भोजन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी विश्वास, अपनापन और एकता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायक श्री संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, श्री अजय जामवाल, श्री अखिलेश सोनी, श्री रमेश ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सीएम साय ने कार्यकर्ताओं को परोसी भजिया-चटनी, साथ बैठकर किया भोजन

'मन की बात' के बाद भाजपा की टिफिन बैठक में दिखी एकजुटता,नेताओं ने घर से लाए फरा,ठेठरी,धुसका-बड़ा,महिला मोर्चा ने भी परोसे स्थानीय व्यंजन

'मन की बात' कार्यक्रम के बाद भाजपा की टिफिन बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने साथ लाए टिफिन से भजिया और पताल की चटनी कार्यकर्ताओं को खुद परोसी। मुख्यमंत्री कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर भोजन करते नजर आए। बैठक में संगठन की आत्मीयता और आपसी समन्वय देखने को मिला। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने घरों से टिफिन लाकर भोजन साझा किया। कार्यक्रम का माहौल पारिवारिक रहा, जहां नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक साथ बैठकर भोजन किया। बैठक में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों की भी झलक दिखी। कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप फरा लेकर पहुंचे, विधायक पुरंदर मिश्रा धुसका-बड़ा लाए। वहीं अखिलेश सोनी ठेठरी, अशोक बजाज चौसेला और मोना सेन खुरमी लेकर पहुंचे। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने भी अलग-अलग स्थानीय व्यंजन लाकर आयोजन को खास बनाया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि परिवार की तरह साथ बैठकर भोजन करने से आत्मीयता बढ़ती है और आपसी संवाद मजबूत होता है। ऐसी बैठकों से कार्यकर्ताओं के बीच भाईचारा और समर्पण की भावना मजबूत होती है, जबकि मतभेद अपने आप खत्म हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में नेता और कार्यकर्ता के बीच कोई भेद नहीं है। सभी समान भाव से संगठन के उद्देश्य के लिए काम करते हैं। भाजपा

नेताओं के मुताबिक, टिफिन बैठक की परंपरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षों पहले शुरू की थी। इसका उद्देश्य संगठन में आत्मीयता और सहभागिता बढ़ाना था। अब छत्तीसगढ़ में इसे बूथ स्तर तक शुरू किया जा रहा है, ताकि संगठन की जड़ों को और मजबूत किया जा सके।

खुद की शादी का कार्ड बांट रहा कांग्रेस नेता रवि गिरफ्तार...

गर्लफ्रेंड ने रेप का आरोप लगाया,7 मई को बारात से पहले पुलिस ने पकड़ा

रायपुर,26 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेता रवि चंद्रवंशी को रेप केस में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 7 मई को रवि की शादी होने वाली थी। वह शादी का कार्ड बांट रहा था, पुलिस ने उसे रायपुर से पकड़ा है। उसकी गर्लफ्रेंड ने कवर्धा महिला थाने में दुष्कर्म की शिकायत की थी, एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। मामला कवर्धा थाना क्षेत्र का है। रवि कवर्धा जिला किसान कांग्रेस संघ का अध्यक्ष है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि, वो और रवि 10 साल से रिलेशन में थे। उसने शादी का झांसा देकर कई बार संबंध बनाए और बाद में शादी से मना कर दिया। 26 अप्रैल को पुलिस उसे रायपुर से पकड़कर अपने साथ कवर्धा ले गई।

पहले जोगी कांग्रेस में था रवि : जानकारी के मुताबिक, रवि चंद्रवंशी पहले जोगी कांग्रेस में था और पंडरिया विधानसभा से चुनाव भी लड़ चुका है। करीब 2 साल पहले कांग्रेस में वापसी के बाद उसे किसान कांग्रेस संघ में पद मिला था।

कांग्रेस के सीनियर नेताओं के साथ फोटो वायरल

रवि चंद्रवंशी कवर्धा में कांग्रेस पार्टी में सक्रिय नेता है। वह सोशल मीडिया पर अक्सर पार्टी के सीनियर लीडर के साथ फोटो अपलोड किया करता है। मामला सामने आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ दीपक बैज, सचिन पायलट जैसे तमाम बड़े नेताओं के साथ उसकी फोटो वायरल हो रही है।

गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया

कवर्धा एसडीओपी आशीष शुक्ला ने कहा कि, पीड़िता ने कल महिला थाने में लिखित शिकायत की थी। इस रिपोर्ट के आधार पर समुचित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी रवि को गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया। रायपुर से हमारी टीम रवि कवर्धा लेकर आई है। फिलहाल न्यायालय में पेश कर आगे की करवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में सामूहिक विवाह बना सामाजिक एकता का उत्सव,मुख्यमंत्री ने 13 नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद

रायपुर,26 अप्रैल 2026। दुर्ग जिले के ग्राम भरर (जामगांव-आर) में आयोजित तहसील स्तरीय विशाल कर्मा महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और परंपरा का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा, जहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सहभागिता करते हुए 13 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखमय दांपत्य जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने साहू समाज भवन पाटन में शेड निर्माण के लिए 50 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही ग्राम भरर पंचायत में शौचालय एवं शेड निर्माण तथा ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा भी की, जिससे क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने साहू समाज को छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और गौरवशाली समाज बताते हुए माता कर्मा के योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। उन्होंने कहा कि माता कर्मा की भक्ति और सेवा भावना समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रही है। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय ताराचंद साहू को भी नमन किया और उनके साथ कार्य करने के अपने अनुभव साझा

किए। राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले 28 महीनों में राज्य में सुशासन स्थापित करने के साथ-साथ 'मोदी की गारंटी' को पूरा करने की दिशा में ठोस कार्य किए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि राज्य में 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। किसानों को बकाया बोनस राशि का भुगतान, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी तथा 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं और सिलाई-कढ़ाई, किराना दुकान सहित अन्य छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत दो वर्षों में लगभग 42 हजार लोगों को लाभ मिला है। उन्होंने बस्तर क्षेत्र में नक्सल समस्या के उन्मूलन और विकास कार्यों में आई तेजी को राज्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। ऊर्जा क्षेत्र की पहल का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 की शुरुआत मार्च 2026 में की गई है, जो उन उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जिनका बिजली बिल लंबे समय से बकाया है। 'मोर बिजली ऐप' के माध्यम से उपभोक्ता मोबाइल से ऑनलाइन पंजीकरण कर अपनी पात्रता की जांच कर सकते हैं। इस योजना के तहत बकाया राशि पर लगने वाले ब्याज या सरचार्ज में 100 प्रतिशत छूट दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि गांव-गांव में अटल डिजिटल केंद्र खोलकर डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाया जा रहा है, जबकि प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। राज्य में सुशासन को सुदृढ़ करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए गए हैं, जिससे विकास कार्यों में तेजी आई है। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, कमिश्नर सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, अध्यक्ष जिला साहू संघ नंदलाल साहू, अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड जितेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

पुरैना में 3 साल की बच्ची संदिग्ध हालात में मिली,दुष्कर्म की आशंका,आरोपी हिरासत में

दुर्ग,26 अप्रैल 2026। दुर्ग जिले के पुरैना क्षेत्र में तीन साल की एक बच्ची संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने का मामला सामने आया है, जिससे दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में चिंता का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पड़ोस में रहने वाला एक युवक बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। काफी समय तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान बच्ची पुरैना से लगे हस्वकष्टरु ग्राउंड के पास मिली, जहां उसके हाथ-पैर बंधे होने की बात सामने आई है। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध युवक को हिरासत में ले लिया। बच्ची को तत्काल चिकित्सा परीक्षण और उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर चिंता जताई है और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है या नहीं। प्रारंभिक जानकारी में बच्ची की हालत सामान्य बताई जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि तथ्य सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक ही फंदे पर झूलती मिली महिला और युवक की लाश,क्षेत्र में मचा हड़कंप

बालोद,26 अप्रैल 2026। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां रविवार सुबह एक खेत में 40 वर्षीय महिला और 25 वर्षीय युवक के शव एक ही पेड़ पर फंदे से लटके मिले। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। जानकारी के मुताबिक, सुबह खेत से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर पेड़ पर लटके दोनों शवों पर पड़ी। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में महिला की पहचान संतोषी यादव (40) और युवक की पहचान थलेश खरांशु (25) के रूप में हुई है। दोनों अर्जुन्दा थाना क्षेत्र के गबदी गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि महिला शादीशुदा थी और उसके तीन बच्चे भी है। ऐसे में दोनों के बीच संबंधों को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या दोनों के बीच किसी तरह का संबंध था, या फिर घटना के पीछे कोई और कारण है।

रायपुर-बिलासपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ के लिए खुशखबरी...

आज सस्ती होगी जमीनों की रजिस्ट्री,सीधे बचेंगे 60,000

रायपुर,26 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में घर और जमीन खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार ने रजिस्ट्री पर लगने वाले 0.60% सेस (उपकर) को पूरी तरह खत्म करने का फैसला कर लिया है। खबर है कि इसकी आधिकारिक अधिसूचना आज को जारी हो जाएगी और मंगलवार, 28 अप्रैल से नई दरें लागू कर दी जाएंगी। इसका सीधा मतलब यह है कि अब आपकी जेब पर बोझ कम होगा और रजिस्ट्री कराना काफी सस्ता हो जाएगा।

मंगलवार से अपडेट हो जाएगा सॉफ्टवेयर : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सेस खत्म करने का बिल मार्च 2026 में ही विधानसभा से पारित हो चुका था। राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद अब इसे राजपत्र में प्रकाशन के लिए भेज दिया गया है। विभाग के अफसरों ने बताया कि सोमवार को नोटिफिकेशन आते ही पंजीयन सॉफ्टवेयर को अपडेट कर दिया जाएगा। रायपुर के शास्त्री चौक स्थित रजिस्ट्री ऑफिस हो या बिलासपुर-दुर्ग के

कार्यालय, मंगलवार सुबह से ही लोग नए और सस्ते रेट पर जमीनों की रजिस्ट्री करा सकेंगे। इस फैसले से रियल एस्टेट मार्केट में जबरदस्त उछाल आने की उम्मीद है। अगर आप 1 करोड़ रुपए की कोई प्रॉपर्टी खरीदते हैं, तो अब आपको सीधे 60 हजार रुपए की बचत होगी। सरकार का कहना है कि इस फैसले का मकसद सिर्फ कमाई करना नहीं, बल्कि आम आदमी के लिए घर खरीदना आसान बनाना है। वाणिज्य कर मंत्री ओपी चौधरी ने भी साफ किया है कि प्रशासन जनता को राहत देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

महिलाओं को डबल फायदा : सरकार ने महिलाओं को खास तोहफा देते हुए पंजीयन शुल्क को 4% से घटाकर 2% करने का निर्णय लिया है। हालांकि इसकी अधिसूचना में हफ्ता भर लग सकता है क्योंकि फाइल अभी भाषा सुधार के लिए रुकी हुई है। जानकारों का कहना है कि अगले हफ्ते से महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्री कराना और भी किफायती होगा।

ये है रजिस्ट्री की नई दरें

- **पुरुषों के लिए:** स्टांप ड्यूटी 6.6% और पंजीयन शुल्क 4% लगेगा।
- **महिलाओं के लिए:** स्टांप ड्यूटी 5.48% और पंजीयन शुल्क मात्र 2% रहेगा।
- **बचत:** 1 करोड़ की रजिस्ट्री पर करीब 60 हजार रुपए की सीधी छूट (सेस हटने के बाद)।

प्रशासन ने कमर कस ली है और पंजीयन कार्यालयों में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अगर आप भी जमीन लेने की सोच रहे हैं, तो मंगलवार का दिन आपके लिए 'शुभ' साबित हो सकता है।

प्रतिभा,पारदर्शिता और अवसर से ही बनेगा भारत वैश्विक खेल शक्ति : उप मुख्यमंत्री साव

रायपुर, 26 अप्रैल। केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय के जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित खेल चिंतन शिविर के दूसरे दिन आज छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही भारत वैश्विक खेल शक्ति बनेगा। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री और खेल मंत्री साव ने इस दौरान छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों पर बेस्ट प्रेक्टिसेस पर आधारित वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया। चिंतन शिविर के समापन के दौरान केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने घोषणा की कि जल्दी ही केवल युवा मामलों पर केंद्रित एक विशेष चिंतन शिविर का आयोजन

किया जाएगा। साव ने विभिन्न राज्यों से आए खेल मंत्रियों एवं अधिकारियों के समक्ष छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों के विकास के लिए लागू बेस्ट गवर्नेंस प्रैक्टिसेस को विस्तार से साझा किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। चिंतन शिविर में शामिल अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की भावी योजनाओं की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी मॉडल बताया। उन्होंने राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर के दौरान दो दिनों तक विभिन्न राज्यों के खेल मंत्रियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

फर्जी रेल अफसर ने युवती को फंसाया और किया रेप,गिरफ्तार

रायगढ़,26 अप्रैल 2026। तमनार पुलिस ने युवती की दुष्कर्म शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी लखन कुमार पटनायक (37 वर्ष) निवासी भिलाईनगर जिला दुर्ग को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में महिला संबंधी अपराधों पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई करते हुए थाना तमनार में दर्ज प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बीते 23 अप्रैल को 33 वर्षीय युवती ने थाना तमनार में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्ष 2023 में मैट्रिमोनियल साइट के माध्यम से उसकी पहचान आरोपी लखन कुमार पटनायक से हुई थी, जिसने स्वयं को रेलवे में जे.ई. बताकर शादी का भरोसा दिलाया। परिचय के बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और आरोपी लगातार विवाह का आश्वासन देता रहा। पीड़िता के अनुसार 14 दिसंबर 2025 को आरोपी तमनार स्थित उसके घर पहुंचा, जहां परिजनों के बाहर होने का फायदा उठाकर शादी करने का झांसा देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद भी आरोपी विवाह का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब परिजनों ने सगाई और विवाह की बात आगे बढ़ाई तो आरोपी टालमटोल करने लगा और बाद में सामाजिक रीति-रिवाज से विवाह से इंकार करते हुए कोर्ट मैरिज की बात कही। मार्च 2026 में कोर्ट मैरिज के लिए आवेदन भी दिया गया, लेकिन इसके बाद आरोपी ने संपर्क खत्म कर दिया।

गांजा तस्कर रवि साहू की संपत्ति होगी सीज

पुलिस ने SAFEMA कोर्ट में लगाया आवेदन, 7.50 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त करने की तैयारी

रायपुर,26 अप्रैल 2026। रायपुर में गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। कुख्यात हिस्ट्रीशीटर और गांजा किंगपिन रवि साहू के खिलाफ अब बड़ी आर्थिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने उसकी करीब 7.50 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस ने इस संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर SAFEMA कोर्ट, मुंबई भेजा है। मामले में 5 मई को सुनवाई होगी। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद रवि साहू की संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कोर्ट में पेश किया आवदेन : जानकारी के मुताबिक,यह कार्रवाई SAFEMA एक्ट के तहत की जा रही है। पुलिस ने रवि साहू की चल-अचल संपत्तियों का ब्यौरा जुटाकर कोर्ट में पेश किया है। इसमें मकान, जमीन और अन्य निवेश शामिल बताए जा रहे हैं।

55 से ज्यादा मामलें रवि साहू के खिलाफ : अपराधी रवि साहू के खिलाफ 55 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें NDPS एक्ट, मारपीट, अवैध वसूली, धमकी और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस के अनुसार उसने गांजा तस्करी से करोड़ों रुपए की अवैध संपत्ति बनाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रायपुर कमिश्नरेट में NDPS एक्ट के तहत इस तरह की यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इससे पहले ड्रग्स और गांजा तस्करों के खिलाफ गिरफ्तारी और माल जब्ती की कार्रवाई होती रही है, लेकिन अब उनकी आर्थिक कमर तोड़ने के लिए संपत्ति अटैच करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

SAFEMA कोर्ट में तस्कर के खिलाफ आवेदन दाखिल

गांजा तस्कर रवि साहू के खिलाफ कार्रवाई करने की पुष्टि सहायक पुलिस आयुक्त दीपक मिश्रा ने की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार SAFEMA कोर्ट में आवेदन लगाया है। पूरे मामले की सुनवाई 5 मई को है। नोटिस भी जारी किया जा चुका है। कोर्ट का निर्देश आने के बाद मामलें में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)